• जयपुर, मंगलवार 21 जुलाई 26 • वर्ष 15 • अंक 263 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझुनं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

राज उन्नति की सातवीं बैठक : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सख्त संदेश

अधिकारी बहाने नहीं बनाएं, समय पर काम पूरा कर जनता को राहत पहुंचाएं

राजीविका के संगठन की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को चार्जशीट के निर्देश

प्रसूति सहायता योजना का समय पर लाभ नहीं मिलने पर 2 अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई

जीरो टॉलरेंस की नीति और विकास कार्यों को मिले गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास परियोजनाओं को टाइमलाइन में पूरा कर जनता को समय पर लाभ पहुंचाना राज्य सरकार और हर कार्मिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने अधिकारियों को सख्त संदेश दिया कि वे कार्यों में देरी या लापरवाही को लेकर कोई बहाना नहीं बनाएं, बल्कि जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए विकास कार्यों की गति को तेजी से बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की सातवीं बैठक में सात विभागों की लगभग 15 हजार 890 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पंच गौरव योजना, और ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर की समीक्षा करते हुए यह दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राज उन्नति की गत बैठकों में दिए गए निर्देशों की समीक्षा भी की।

उन्होंने जयपुर रिंग रोड (उत्तरी) परियोजना की समीक्षा करते हुए वन विभाग एवं रेलवे से समन्वय स्थापित करते हुए इस परियोजना से जुड़े लंबित मुद्दों का समाधान कर शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना जयपुर में यातायात दबाव कम करने में मील का पत्थर साबित होगी। इस परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप देकर केन्द्रीय कैबिनेट को अनुमोदन हेतु भिजवाया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि 11 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से बनने वाली जयपुर नॉर्दन रिंग रोड अजमेर हाइवे एनएच-48 (बगरू) से प्रारम्भ होकर जयपुर-दिल्ली एनएच-48 एवं जयपुर-सीकर एनएच-52 से निकलकर जयपुर-बांदीकुई स्पर तक बनेगी।

मुख्यमंत्री ने पंच गौरव कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्य सचिव इसकी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्रभावी विस्तार की योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पाद हर जिले की आर्थिक समृद्धि के आधार हैं। इस योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर जिले की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है। गत वर्ष जिन जिलों में योजना के अंतर्गत आवंटित राशि का व्यय कम हुआ है, वे अभी से कार्यों को गति प्रदान करें। साथ ही, प्रत्येक जिले में चिन्हित पंच गौरवों (उपज, उत्पाद, वनस्पति प्रजाति, पर्यटन स्थल एवं खेल) के समग्र विकास, संवर्धन और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने पंच गौरव योजना में कम उपलब्धि वाले जिलों को निर्देश दिए कि वे अपने काम में तेजी लाएं और शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें।

15 हजार 890 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाओं की समीक्षा

दिसंबर तक सुनिश्चित करें रिम्स का लोकार्पण

उन्होंने एम्स दिल्ली की तर्ज पर आरयूएचएस को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के रूप में विकसित करने के काम में आ रही व्यावहारिक बाधाओं को दूर करते हुए इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस में 13 विभागों की सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विकास पर 750 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। प्रथम चरण में यहां इस वर्ष के अंत तक लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, सीटीवीएस विभागों की सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण इस संस्थान के विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। दिसंबर माह तक इस संस्थान का लोकार्पण किया जाना सुनिश्चित करें।

राइजिंग राजस्थान में काम शुरू करने वाले निवेशकों का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने रेलवे की लूणी-समदड़ी-भीलड़ी डबलिंग प्रोजेक्ट, राजसमंद व उदयपुर में नवीन प्रोटीन पशु आहार संयंत्र की स्थापना, कोटपूतली-बहरोड़ में बायोगैस प्लांट की स्थापना सहित राइजिंग राजस्थान समिट से संबंधित निवेश एमओयू की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिन निवेशकों ने एमओयू की शर्तों के अनुसार कार्य प्रारंभ कर दिया है, उनका एक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान किया जाए। साथ ही, अन्य निवेशकों को भी जल्द कार्य प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिले और रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन हो।

राजीविका के उत्पादों की हो प्रभावी मार्केटिंग

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए डेयरी, टेक्सटाईल, फुटवियर, मिलेट्स, मसाले आदि के 50 नवीन उद्यमों की स्थापना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राजीविका से जुड़ी हुई महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए हर जिले में आयोजित होने वाले हाट बाजारों में उन्हें स्थान उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, उनके उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने दिल्ली में बीकानेर हाउस, जयपुर में जवाहर कला केन्द्र, नवी मुंबई में राजस्थान हाउस सहित जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर सहित अन्य स्थानों पर भी उनके उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भी स्थान उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न मेलों एवं त्योहारों के अवसरों पर भी उनके उत्पादों को प्रदर्शित किया जाए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के कार्यों में लाएं तेजी

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी जिलों में इस योजना से संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाए। मुख्यमंत्री ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य तय समय में हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के तहत लाभार्थी को दी जाने वाली किस्तों में किसी प्रकार का विलंब नहीं हो। लाभार्थियों को पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से इसका लाभ मिले।

राजीविका की महिला सदस्यों से अभद्रता, बीपीएम की सेवाएं समाप्त

उन्होंने मुख्यमंत्री जनसुनवाई में दर्ज परिवादों की वस्तुस्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित परिवादों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतापगढ़ में चुपना के राजीविका के जागृति क्लस्टर संगठन की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से चार्जशीट देने के निर्देश दिए। संगठन ने शिकायत दी थी कि ब्लॉक परियोजना प्रबंधक धर्मेन्द्र पंवार द्वारा उनके क्लस्टर संगठन का खाता बंद कर दिया गया और उनसे कमीशन की मांग की गई। साथ ही, संगठन के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इस संबंध में संगठन ने विभिन्न स्तरों पर परिवाद दर्ज कराया। शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई जाने के बावजूद लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई में देरी पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को चार्जशीट दिए जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि विभाग ने धर्मेन्द्र पंवार के नियुक्ति आदेश निरस्त कर अनुबंध आधारित उसकी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। जागृति क्लस्टर संगठन की पदाधिकारी ने बैठक में मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए इस कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

योजना के लाभ में देरी पर सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने बैठक में सम्पर्क पोर्टल दर्ज परिवादों की समीक्षा करते हुए बूंदी जिले में प्रसूति सहायता योजना के तहत लाभार्थी मनीषा मीणा को समय पर लाभ नहीं मिलने पर संयुक्त श्रम आयुक्त दीपक यादव और संकेत मोदी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। परिवादी ने वर्ष 2023 में प्रसूति सहायता योजना के तहत आवेदन किया था, जिसे दस्तावेज अपूर्ण बताते हुए निरस्त कर दिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए लाभार्थी ने योजना का लाभ मिलने एवं देरी पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई किए जाने के लिए आभार व्यक्त किया।

हर दिव्यांग गृह में पुख्ता हों व्यवस्थाएं, अधिकारी करें सघन निरीक्षण

उन्होंने सामुदायिक परिवेदनाओं की समीक्षा के तहत राजकीय बौद्धिक दिव्यांग बालिका गृह, जामडोली में अव्यवस्थाओं की शिकायत को गंभीरता से लिया और यहां तत्काल सुधार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने न केवल जामडोली के इस दिव्यांग गृह, बल्कि प्रदेशभर में संचालित ऐसे सभी संस्थानों में सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों में बायोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित हो तथा सुरक्षा के सभी मानकों की पूर्ण पालना हो। उन्होंने जामडोली स्थित दिव्यांग गृह के बार-बार निरीक्षण के बावजूद व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं आने पर उत्तरदायी अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिए। साथ ही, प्रमुख शासन सचिव वित्त को संस्थान में सुधार के लिए प्रावधित राशि तत्काल जारी करने के निर्देश दिए। सामुदायिक परिवेदनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों के संचालन में अनियमितता को गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि इनकी प्रभावी उपयोगिता सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की जीपीएस एवं फोटो बेस्ड ट्रैकिंग की जाए। इन मोबाइल इकाइयों में सभी निर्धारित दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित हो। समय-समय पर इनका औचक निरीक्षण किया जाए। हर ग्राम पंचायत एवं पशु चिकित्सालयों पर टोल फ्री नंबर 1962 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में वीसी के माध्यम से संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, संभागीय आयुक्त तथा जिला कलक्टर्स जुड़े। उल्लेखनीय है कि हर माह होने वाली राज उन्नति की बैठक में मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से सीधे संवाद कर प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं तथा समस्या का वास्तविक समय में समाधान किया जाता है। मुख्यमंत्री की इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ नवाचार के रूप में मान्यता मिल रही है।

'कॉकरोच' पर टूट पड़ी दिल्ली पुलिस की लाठी, जंतर-मंतर पर पीटे गए प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली/एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया है। पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से संसद की तरफ जाने से रोक दिया है। तमाम रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी संसद भवन की तरफ बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उनको खदेड़ा और उन पर लाठीचार्ज किया। दरअसल, सुबह के समय प्रदर्शनकारियों ने आगे बढने़ का प्रयास किया। पुलिस द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और हिरासत में लिए जाने के दावे किए गए हैं, जबकि पुलिस ने इन दावों से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली क्षेत्र में पहले से ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, जिसके चलते पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध था। संसद की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए। कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर आगे बढने़ में सफल रहे, जबकि कई अन्य को पुलिस ने मौके पर रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी खबरें सामने आई हैं।

मानसून सत्र 2026 का आगाज़ : प्रधानमंत्री मोदी ने रचनात्मक बहस, विकास और युवाओं की उपलब्धियों पर दिया जोर

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद के मानसून सत्र 2026 के पहले दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए आशा व्यक्त की कि यह सत्र सार्थक चर्चा, सकारात्मक संवाद और राष्ट्रीय हित में प्रभावी निर्णयों का मंच बनेगा। उन्होंने कहा कि जैसे सक्रिय मानसून देश के लिए समृद्धि लाता है, उसी प्रकार एक उत्पादक मानसून सत्र भी राष्ट्र के विकास को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, चाहे मानसून हो या मानसून सत्र, जब दोनों सक्रिय होते हैं तो वे अत्यधिक उत्पादक होते हैं और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय रहे और मानसून सत्र भी उत्पादक रहे। उन्होंने कहा कि संसद का सुचारू संचालन, तथ्यों पर आधारित गंभीर चर्चा और देशहित में सामूहिक निर्णय आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

● पिछले एक महीने की उपलब्धियों पर जताया गर्व

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक महीने में भारत ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने विशेष रूप से अंतरिक्ष क्षेत्र में भारतीय युवाओं और स्टार्टअप्स की सफलता का उल्लेख करते हुए निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट द्वारा हासिल ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की।

» सुधारों का परिणाम है युवाओं का बढ़ता आत्मविश्वास

प्रधानमंत्री ने इन सफलताओं का श्रेय सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को दिया। उन्होंने कहा कि सुधारों के कारण आज देश का युवा बड़े जोखिम लेने और नए क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने का साहस दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में विकसित हो रहे नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र ने युवाओं को नई ऊर्जा और अवसर प्रदान किए हैं, जिसका परिणाम विश्व स्तर पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में शुरू हुई राजस्थान की बड़ी तेल रिफाइनरी, देश के तीसरे सेमीकंडक्टर संयंत्र तथा दुनिया की सबसे लंबी और सबसे शक्तिशाली हरित हाइड्रोजन ट्रेन का उल्लेख करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

» वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है, इसलिए पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरक और रसायनों की आपूर्ति में व्यवधान देश के लिए चिंता का विषय है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि भारत ने 7.7 प्रतिशत की विकास दर दर्ज कर विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है। उन्होंने इसे देश की आर्थिक शक्ति, नीतिगत स्थिरता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया।

» संसद से की सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील

प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों और सांसदों से आग्रह किया कि वे संसद को सार्थक चर्चा का मंच बनाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि तथ्य और तर्क आधारित चर्चा से ही देश आगे बढ़ सकता है। अपने संबोधन के अंत में

संपादकीय

नागरिकता और एसआईआर

नागरिकता को लेकर देश में भ्रम फैला हुआ है। सवाल किए जाते रहे हैं कि आखिर नागरिक होने का अंतिम और स्पष्ट प्रमाण-पत्र क्या है? जिन लोगों के नाम एसआईआर में नहीं आ पाए हैं, उनके बारे में कहा गया कि वे देश के नागरिक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में से नाम हटने से किसी की नागरिकता नहीं जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वह बिहार एसआईआर पर अपने फैसले में ही यह बात स्पष्ट कर चुका है। भ्रम इतना है कि पश्चिम बंगाल सरकार ऐसे लोगों का नाम कल्याणकारी योजनाओं से काट रही है और उन्हें इसके लाभ से वंचित किया जा रहा है, जिनका नाम एसआईआर में नहीं आया है। मतलब बंगाल सरकार मान कर चल रही है कि जिन लोगों के नाम एसआईआर में नहीं आया है, वे देश के नागरिक नहीं हैं। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया है कि चुनाव आयोग नागरिकता तय करने के लिए अधिकृत नहीं है, तो यह भ्रम दूर हो जाना चाहिए कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना है। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट को सही करने, चुनाव का प्रबंधन करने तक सीमित है, सीमित होना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का साफ कहना है कि आर्टिकल 9, 10, 11 और 12 के संबंध में चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। चुनाव आयोग का नियंत्रण मतदाता सूची पर है। वह किसी को नहीं शामिल करने का फैसला ले सकता है। लेकिन इससे नागरिकता का दर्जा अपने आप खत्म नहीं हो जाता। बंगाल सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अन्नपूर्णा जैसी योजनाओं का लाभ उन लोगों को देने से मना करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किए हैं, जिनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। दावा किया गया कि उन लोगों को जाति सर्टिफिकेट भी नहीं दिए जा रहे हैं। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है और जब ऐसा नहीं है तो कोई भी सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं कर सकती। उम्मीद की जानी चाहिए कि बंगाल सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं का फायदा देना शुरू करेगी। क्या यह अजब गजब नहीं है कि बंगाल सरकार ने खुद ही मान लिया कि एसआईआर में नाम न होने का मतलब नागरिकता खत्म हो जाना है?

यह भ्रम दूर हो जाना चाहिए कि एसआईआर में नाम न आने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है। नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग को नहीं है।

पाठकवाणी

मेरठ नगर निगम की हो जांच

अखबारों में पढ़ा कि मेरठ में पिछले 18 महीनो में मेरठ नगर निगम ने 1000 करोड़ रुपये नालों की सफाई और सड़कों पर खर्च किए। फिर भी जरा सी बरसात ने मेरठ को पूरा तालाब बना दिया। कूड़ा भरे हुए नालों और सड़कों के गड्ढों में लोग गिरने और जख्मी होने लगे। अच्छे खासे पक्के बने हुए नालों की सफाई ना करके तोड़कर दोबारा बनाया जा रहा है, क्योंकि भ्रष्टाचार करना है। नालों-नालियों पर हुआ अतिक्रमण नहीं हटाना है, क्योंकि व्यापारियों को खुश रखना है, नेताओं को खुश रखना है और उनसे पैसा भी खाना है। हजार करोड़ रुपये 18 महीना में खर्च किए यानी लगभग 58 लाख रुपए प्रति महीना। सवाल यह है कि यह 1000 करोड़ रुपए गए कहां? क्या नगर निगम के नगर आयुक्त, मेयर, पार्षदों, कर्मचारियों, ठेकेदारों की जेब में गए? हम राज्य सरकार से मांग करते हैं मेरठ के नगर निगम की कार्य प्रणाली पर जांच बैठाए। इस खर्चे की प्रमाणिकता की जांच करे। दोषियों की पकड़ उनसे खर्च किए हुए भ्रष्टाचार के पैसों की वसूली करे। नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। लगभग सभी कर्मचारी भ्रष्ट हैंऔर वर्षों से एक ही सीट पर जमे हुए हैं। इन सब अधिकारियों और कर्मचारियों को मेरठ से बाहर दूर स्थान पर ट्रांसफर किया जाए। किसी भी कर्मचारी को एक साल से अधिक एक सीट पर ना रहने दिया जाए। जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र की समस्या हो या जलकर, गृहकर की सभी के लिए जनता परेशान है। क्योंकि नगर निगम का हर कर्मचारी महान है।

सोशल मीडिया

ट्रैफिक और देहरादून का परेड ग्राउंड

मैंने देहरादून के ट्रैफिक से पूछा, 'भाई, तुम बड़े पक्षपाती निकले।' ट्रैफिक बोला, 'क्यों? मैंने क्या कर दिया?' मैंने कहा, 'तुम्हारी वजह से राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की अनुमति रद्द हो गई। सरकार कह रही है कि वीकेंड पर परेड ग्राउंड में कार्यक्रम हुआ तो घंटाघर से लेकर राजपुर रोड तक जाम लग जाएगा।' ट्रैफिक पहले तो जोर से हंसा, फिर बोला, 'लगता है सरकार ने मेरा नाम इस्तेमाल कर लिया। मैं तो बेचारा सड़क पर जाम लगाता हूं, ये लोग दिमाग में जाम लगा रहे हैं।' मैंने कहा, 'लेकिन सरकार तो तुम्हारी बड़ी चिंता कर रही है।' ट्रैफिक बोला, 'अच्छा! फिर तो मुझे भी अपनी पुरानी डायरी निकालनी पड़ेगी। उसमें मैंने उन दिनों का हिसाब लिखा है जब इसी परेड ग्राउंड में बड़े-बड़े नेता आए थे।' उसने डायरी खोली। पहला पन्ना था... 18 मार्च 2017, शनिवार...स्थानः परेड ग्राउंड, त्रिवेंद्र सिंह रावत का मुख्यमंत्री पद का भव्य शपथ ग्रहण समारोह और लाखो लोगों की जनसभा। दूसरे पन्ने पर... 5 अप्रैल 2019, शुक्रवार। स्थानः परेड ग्राउंड, प्रधानमंत्री की चुनावी सभा। लाखों लोग। गाड़ियों की कतारें। इतनी भीड़ की अगले चार दिन तक सोशल मीडिया और सभी अखबारें 'अपार जनसैलाब' से भरी रहीं। मैंने पूछा, 'उस दिन कहां थे तुम?' ट्रैफिक बोला, 'मैं वहीं था, लेकिन उस दिन मेरा नाम बदलकर 'ऐतिहासिक जनसमर्थन' रख दिया गया था।' उसने तीसरा पन्ना पलटा... 30 अक्टूबर 2021, शनिवार... स्थानः परेड ग्राउंड, तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सहकारिता घसियारी कल्याण योजना के शुभारंभ के मौके पर परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा। चौथे पन्ने पर... तारीख थी 4 दिसंबर 2021, शनिवार। वही वीकेंड, वही परेड ग्राउंड, वही देहरादून। प्रधानमंत्री की महा जनसभा। मैंने पूछा, 'उस दिन तो शनिवार भी था?' वह बोला, 'हां, लेकिन शनिवार सत्ता पक्ष का था। इसलिए मैं जाम नहीं, विकास कहलाया।' पांचवे पन्ने पर... 12 फरवरी 2022, शनिवार... स्थानः परेड ग्राउंड, विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर के प्रचार के लिए भाजपा के फायरब्रांड नेता और स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ की परेड ग्राउंड में बेहद चर्चित जनसभा।

मॉनसून नहीं सिस्टम है समस्या

जैसे-जैसे जलवायु की चरम स्थितियां सामान्य होती जा रही हैं, भारत के शहरों के सामने एक निर्णायक विकल्प है। वे हर मानसून को एक अप्रत्याशित आपदा मानते हुए उसी पुराने ढर्रे पर चलते रह सकते हैं, या फिर इसे शहरी शासन और बुनियादी ढांचे की वार्षिक परीक्षा के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वास्तविक लचीलापन केवल चौड़ी सड़कें या बड़े नाले बनाने से नहीं आता।

हर मानसून में भारत के शहर एक जैसी कहानी दोहराते हैं। तेज बारिश की पहली बौछार पड़ते ही सड़कें पानी में डूब जाती हैं, लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, वाहन खराब हो जाते हैं और सोशल मीडिया जलमग्न सड़कों, उफनती नालियों तथा धंसती सड़कों की तस्वीरों से भर जाता है। पानी उतरने के बाद सरकारें जांच के आदेश देती हैं, संबंधित एजेंसियां सुधार के वादे करती हैं और अस्थायी मरम्मत शुरू हो जाती है, लेकिन अगले मानसून तक वही स्थिति फिर सामने आ जाती है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर (नेशनल केपिटल रीजन) में हुई भारी वर्षा ने एक बार फिर भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। दिल्ली में प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और अनेक रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। गुरुग्राम -जो वर्षों से मानसून के दौरान जलभराव के लिए कुख्यात रहा है-में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, हीरो होंडा चौक और सोहना रोड जैसे प्रमुख मार्ग पानी में डूब गए, जिससे देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में से एक लगभग ठहर गया।

नोएडा में अंडरपास जलमग्न हो गए, नालियां उफनने लगीं और भीषण जाम लग गया। वहीं गाज़ियाबाद और फरीदाबाद में कई कॉलोनियां पानी में डूब गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं और लोगों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हुई। एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के बाद सड़कें धंस गईं, जिसने केवल निर्माण की खामियों को ही नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, इंजीनियरिंग और रखरखाव की गहरी संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। ये बार-बार होने वाली विफलताएं केवल असामान्य रूप से अधिक वर्षा का परिणाम नहीं हैं। ये इस बात के संकेत हैं कि भारतीय शहरों की योजना, शासन व्यवस्था, वित्तपोषण और रखरखाव की पूरी प्रणाली में गंभीर संरचनात्मक कमियां मौजूद हैं। अब बहस इस बात पर नहीं रह गई है कि जलवायु परिवर्तन अत्यधिक वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ा रहा है या नहीं-यह निर्विवाद सत्य है। प्रश्न यह है कि क्या हमारे शहर इस नई जलवायु वास्तविकता के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त गति से ढाल पा रहे हैं? उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि ऐसा नहीं हो रहा है।

भारत के अधिकांश शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण उन ऐतिहासिक वर्षा पैटर्न के आधार पर किया गया था, जो आज की जलवायु परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर, तीव्र शहरीकरण ने मिट्टी और हरित क्षेत्रों की जगह कंक्रीट बिछा दिया है, जिससे भूजल का पुनर्भरण कम हुआ है और वर्षा जल का बहाव कई गुना बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में झीलें, आर्द्रभूमियां, गांवों के तालाब और प्राकृतिक जलनिकासी मार्ग या तो अंधाधुंध शहरी विस्तार की भेंट चढ़ गए हैं या फिर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं कि वे अपना प्राकृतिक कार्य नहीं कर पा रहे हैं। जो पानी पहले प्राकृतिक रूप से बाढ़ क्षेत्रों में फैल जाता था, वह अब घनी आबादी वाले कंक्रीट के जंगलों में फंस जाता है। नतीजा स्पष्ट है-जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने के लिए कोई जगह नहीं बचती। फिर भी केवल जलवायु परिवर्तन यह नहीं समझा सकता कि हर वर्ष वही दृश्य क्यों दोहराए जाते हैं।

इसके लिए शासन व्यवस्था की विफलताएँ भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। एनसीआर संस्थागत विखंडन का एक स्पष्ट उदाहरण है। केवल दिल्ली में ही नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली जल बोर्ड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तथा कई अन्य एजेंसियां शहरी बुनियादी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों की जिम्मेदारी संभालती हैं।

दिल्ली के बाहर गुरुग्राम, नोएडा, गाज़ियाबाद और फरीदाबाद अलग-अलग नगर निकायों, विकास प्राधिकरणों और राज्य सरकारों के विभागों द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन वर्षा का पानी प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानता। इसके परिणाम हर जगह दिखाई देते हैं। सड़कों का पुनर्निर्माण भूमिगत उपयोगिताओं के साथ समन्वय किए बिना कर दिया जाता है। नालियां आगे के बड़े जल निकासी नेटवर्क से जुड़े बिना ही समाप्त हो जाती हैं। बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं व्यापक जल-विज्ञान (हाइड्रोलॉजी) अध्ययन के बिना शुरू कर दी जाती हैं। रखरखाव की जिम्मेदारियां कई एजेंसियों में बंटी होने के कारण बाढ़ आने पर जवाबदेही भी बिखर जाती है।

भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की सबसे कमजोर कड़ी उसका रखरखाव है। राजनीतिक प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार और स्मार्ट सिटी जैसी दिखाई देने वाली परियोजनाओं पर केंद्रित रहती हैं। इसके विपरीत मानसून से पहले नालों की सफाई, रिटेनिंग वॉल की जांच, पुलियों की मरम्मत, भूमिगत उपयोगिताओं का मानचित्रण और पुराने हो चुके बुनियादी ढांचे की नियमित निगरानी जैसे कम आकर्षक लेकिन अत्यंत आवश्यक कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई सड़क धंसने की घटनाएं इसी उपेक्षा का परिणाम हैं। सड़कें किसी एक बारिश से नहीं धंसतीं। ऐसी घटनाएं आमतौर पर वर्षों से पाइपलाइन रिसाव, ठीक से न दबाई गई मिट्टी, पुराने उपयोगिता नेटवर्क, अपर्याप्त जल निकासी या बार-बार खुदाई के बाद उचित पुनर्स्थापन न होने के कारण सतह के नीचे जमा होती कमजोरियों का परिणाम होती हैं।

भारी बारिश केवल उन कमजोरियों को उजागर कर देती है जो लंबे समय से विकसित होती रही हैं। इसलिए 'जलवायु अनुकूलता' (क्लाइमेट रेज़िलिएंस) को केवल पर्यावरणीय चिंता के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसे शहरी बुनियादी ढांचे की योजना का केंद्रीय सिद्धांत बनाना होगा। इस परिवर्तन में प्रकृति-आधारित समाधानों को कहीं अधिक महत्व दिया जाना चाहिए।

पुनर्जीवित आर्द्रभूमियां, शहरी वन, पानी सोखने वाले फुटपाथ, बायोस्वेल, वर्षा उद्यान, विकेंद्रीकृत वर्षा-जल संचयन प्रणाली और संरक्षित शहरी झीलें वर्षा-जल के बहाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दे सकती हैं। गुरुग्राम के लुप्त होते प्राकृतिक नाले और दिल्ली की सिकुड़ती आर्द्रभूमियां इस बात का प्रमाण हैं कि पारिस्थितिक बुनियादी ढांचे की उपेक्षा अंततः इंजीनियरिंग आधारितढांचे को भी कमजोर कर देती है।

नागरिकों को यह प्रश्न पूछने का भी अधिकार है कि सार्वजनिक निवेश वास्तव में कितनी स्थायी सुरक्षा प्रदान कर रहा है। एनसीआर में हर वर्ष करदाताओं के करोड़ों रुपये सुरंगों, अंडरपासों और प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन सामान्य से थोड़ी अधिक वर्षा होते ही इनमें से अनेक संरचनाएं जलमग्न हो जाती हैं–चाहे वह प्रगति मैदान सुरंग हो या क्षेत्र के अनेक अंडरपास। क्या हमारी सड़कें केवल वाहनों की आवाजाही के लिए बनाई जा रही हैं, या उन्हें उन जलवायु परिस्थितियों में भी सुचारु रूप से कार्य करने योग्य बनाया जा रहा है? जिनका उन्हें सामना करना है?

पेट्रोल की टंकी में घुलता नया संकट

राजयपुर की उपभोक्ता अदालत ने एक कार कंपनी को निर्देश दिया कि वह ग्राहक को इथेनॉल के 20 फीसदी मिलावट वाले पेट्रोल के अनुरूप कार ग्राहक को दे या फिर पूरे पैसे लौटाए। पिछले कुछ महीनों से सुबह-सुबह पेट्रोल पंपों पर और गाड़ियों के सर्विस सेंटरों के बाहर एक अजीब सी बहस तैर रही है। कल तक जो मोटरसाइकिल या कार बिना किसी शिकायत के फरार्टा भर रही थी, वह अचानक बीच सड़क पर झटके खाने लगी है या फिर सुबह के वक्त स्टार्ट होने में ऐसी जिद पकड़ लेती है मानो उसमें पेट्रोल नहीं, पानी भरा हो। गैराजों में मैकेनिक इंजन खोलकर हैरान हैं कि आखिर गाड़ियों की सांसें इतनी जल्दी क्यों फूल रही हैं।

इस पूरी समस्या के पीछे जो नाम बार-बार उछल रहा है, वह है इथेनॉल। सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है कि हम पेट्रोल में बीस प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर देश का पैसा बचा रहे हैं और पर्यावरण को शुद्ध कर रहे हैं। नीतिगत तौर पर यह बात सुनने में जितनी आकर्षक लगती है, धरातल पर आम आदमी की गाड़ी के इंजन के लिए उतनी ही बड़ी पहेली बन गई है। इस पूरी बहस के पीछे एक गहरा वैज्ञानिक सच और प्रशासनिक जल्दबाजी की वह कहानी है, जिसे समझे बिना हम इस संकट का हल नहीं ढूंढ सकते।

वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो इथेनॉल मूल रूप से पौधों, गन्ने या अनाज से तैयार किया गया एक अल्कोहल है। जब इसे पेट्रोल में मिलाया जाता है, तो इसकी रासायनिक प्रकृति ईंधन के व्यवहार को पूरी तरह बदल देती है। इथेनॉल के भीतर एक प्राकृतिक भूख होती है, जिसे विज्ञान की भाषा में पानी के प्रति आकर्षण कहा जाता है। यह हवा में मौजूद मामूली सी नमी को भी स्पंज की तरह सोख लेता है। अब जरा दृश्य की कल्पना कीजिए। हमारी गाड़ियों की टंकियों में या पेट्रोल पंपों के जमीन के नीचे बने बरसों पुराने टैंकों में हवा के रास्ते जो भी नमी पहुंचती है, इथेनॉल पेट्रोल का साथ छोड़कर उस पानी से दोस्ती कर लेता है।

नतीजा यह होता है कि ईंधन दो परतों में बंट जाता है। पेट्रोल ऊपर तैरने लगता है और पानी तथा इथेनॉल का एक गाढ़ा, भारी मिश्रण टंकी के नीचे बैठ जाता है। चूंकि गाड़ी का ईंधन पंप हमेशा टंकी के सबसे निचले हिस्से से तेल खींचता है, इसलिए इंजन में शुद्ध पेट्रोल जाने के बजाय वह पानी और अल्कोहल का मिश्रण चला जाता है। यही वह मुख्य वजह है जिससे गाड़ियां चलते-चलते अचानक बंद हो जाती हैं। इसके अलावा, अल्कोहल होने के कारण इथेनॉल स्वभाव से थोड़ा अम्लीय भी होता है, जो गाड़ियों के भीतर लगी रबर की नलियों, गैसकेट और एल्युमिनियम के पुर्जों को धीरे-धीरे गलाने लगता है।

जब हम दुनिया के नक्शे पर नजर डालते हैं, तो पाते हैं कि यह प्रयोग कोई नया नहीं है। ब्राजील जैसा देश पिछले चार दशकों से अपनी गाड़ियों में बेधड़क इथेनॉल का इस्तेमाल कर रहा है, और वहां शत-प्रतिशत इथेनॉल पर भी गाड़ियां दौड़ती हैं। लेकिन ब्राजील और भारत के बीच एक बहुत बड़ा बुनियादी फर्क है, जिसे हमारे योजनाकारों ने शायद नजरअंदाज कर दिया। ब्राजील ने रातों-रात पेट्रोल का रंग नहीं बदला। उसने पैंतालीस साल तक अपनी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को तैयार किया। आज वहां बिकने वाली लगभग हर गाड़ी का इंजन इस तरह बनाया जाता है कि वह चाहे जितना भी इथेनॉल हो, उसे आसानी से पचा सके।

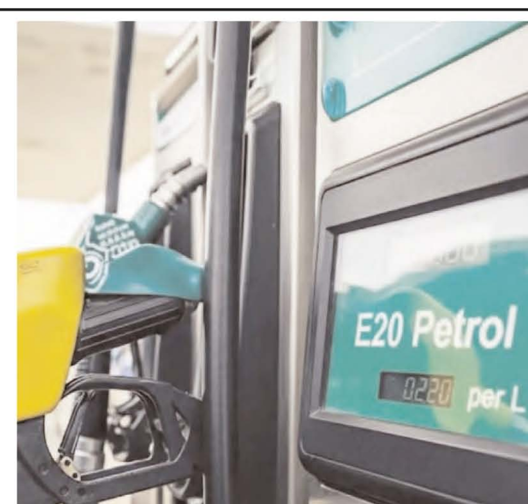

जब तक सड़कों से पुरानी गाड़ियां पूरी तरह बाहर नहीं हो जातीं, तब तक आम उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल चुनने का अधिकार और विकल्प मिलना ही चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। पुरानी गाड़ियों को भी इथेनॉल मिश्रिम ईंधन से चलवाया जा रहा है।

अमेरिका में भी जब ऐसा प्रयोग हुआ, तो वहां हर पेट्रोल पंप पर बाकायदा लिखकर बोर्ड लगाया गया कि किस मशीन में कितना इथेनॉल मिला है, ताकि पुरानी गाड़ी वाले सतर्क रहें। भारत में संकट की असली जड़ यही है कि हमने बुनियादी तैयारी पूरी होने से पहले ही दौड़ने की जल्दबाजी दिखाई। भारत की सड़कों पर आज भी करोड़ों गाड़ियां ऐसी चल रही हैं जो पांच, दस या पंद्रह साल पुरानी हैं। हमारे देश में केवल पिछले दो साल से बनने वाले वाहनों को ही इस नए ईंधन के अनुकूल बनाया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि देश की नब्बे प्रतिशत से अधिक आबादी आज जिस गाड़ी पर सवार है, उसका इंजन इस बीस प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल को झेलने के लिए बना ही नहीं है। उस पर से तुर्रा यह कि उपभोक्ता के पास कोई विकल्प नहीं है।

आप किसी भी पेट्रोल पंप पर चले जाइए, आपको वही इथेनॉल मिश्रित ईंधन मिलेगा। न तो वहां कोई पारदर्शी बोर्ड लगा है जो बताए कि आज के तेल में कितनी मिलावट है, और न ही पुरानी गाड़ियों के लिए शुद्ध पेट्रोल का कोई अलग नोजल उपलब्ध है। हमारे देश की मानसूनी जलवायु में हवा में नमी वैसे ही बहुत ज्यादा होती है, और जब यह ईंधन हमारे देश के पुराने, सीपेज वाले पेट्रोल पंपों के टैंकों से होकर आम आदमी की गाड़ी तक पहुंचता है, तो वह एक रासायनिक टाइम बम बन जाता है। यह नीति देश की ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की आय के लिहाज से निश्चित रूप से एक दूरदर्शी कदम हो सकती है, लेकिन कोई भी राष्ट्रीय नीति आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन को संकट में डालकर सफल नहीं हो सकती।

युवाओं पर केंद्रित हो रही है कांग्रेस की राजनीति

लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता और कांग्रेस की उम्मीद राहुल गांधी की देहरादून में 17 जुलाई को आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक सभा नहीं थी। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की चुनावी रणनीति का ऐसा संकेत भी थी, जिसे केवल उत्तराखंड के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी पढ़े जाने की आवश्यकता है। राजस्थान के कोटा से प्रारंभ हुए इस अभियान का दूसरा बड़ा पड़ाव उत्तराखंड बना। यह चयन संयोग नहीं माना जा सकता। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, चयन प्रक्रियाओं पर सवाल, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं में गहराते असंतोष के कारण राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है। कांग्रेस ने इन्हीं परिस्थितियों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि राहुल गांधी ने अपने पूरे संबोधन को लगभग पूरी तरह पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य तक सीमित रखा।

उन्होंने राज्य सरकार या केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमलों के लिए उपलब्ध अनेक अन्य विवादित मुद्दों-महंगाई, अंकिता भंडारी हत्याकांड, बदरीनाथ धाम में दान राशि चोरी, दो कार्यकाल की एंटी-इंकम्बेंसी अथवा सामाजिक-राजनीतिक विवादों-को लगभग पूरी तरह अनदेखा किया। यह चयन स्वयं में राजनीतिक संदेश देता है। दरअसल, भाजपा और राज्य सरकार ने भी राहुल गांधी के संभावित राजनीतिक हमलों का पूर्वानुमान लगाया हुआ था। उत्तराखंड सैनिक परंपरा वाला राज्य है। बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं। माना जा रहा था कि राहुल गांधी अग्निवीर योजना को प्रमुख मुद्दा बनाएंगे। यही कारण था कि उनके कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले राज्य सरकार ने अग्निवीरों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया तथा राज्य स्तर पर अग्निवीर प्रकोष्ठ के गठन की घोषणा भी कर दी। राजनीतिक दृष्टि से यह एक प्रकार की पूर्व तैयारी थी।

किंतु राहुल गांधी ने इस विषय को छूने के बजाय अपना पूरा फोकस युवाओं की शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और रोजगार पर केंद्रित रखा। इससे यह संकेत मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल उन मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहती है, जिन पर उसे व्यापक सामाजिक सहमति और राजनीतिक स्वीकार्यता मिलने की संभावना दिखाई देती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों में अपनी राजनीति का स्वरूप लगातार बदलते दिखाई देते हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे विषयों को केंद्र में रखा था। अब 'छात्रों की गूंज' अभियान में युवाओं और शिक्षा को प्रमुख स्थान दिया गया है।

कोटा में उन्होंने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को ₹रिजेक्शन सिस्टम₹ बताते हुए कहा था कि व्यवस्था छात्रों को अवसर देने के बजाय उन्हें बाहर करने का माध्यम बन गई है। देहरादून में भी उनके भाषण का मूल स्वर यही रहा कि शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई युवाओं के भीतर गहरा असंतोष पैदा कर रही है। उत्तराखंड का चयन भी राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और अन्य चयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं ने हजारों युवाओं को प्रभावित किया। राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू किया, अनेक गिरफ्तारियां हुईं और जांच एजेंसियों ने कार्रवाई भी की। सरकार का दावा है कि उसने भर्ती प्रणाली को पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शी बनाया है। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं है; युवाओं का विश्वास तभी लौटेगा जब समयबद्ध, निष्पक्ष और नियमित भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। यही वह राजनीतिक रिक्ति है, जिसमें कांग्रेस अपनी संभावनाएं तलाश रही है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पारंपरिक विपक्षी राजनीति से कुछ अलग दिखाई देता है। सामान्यतः विपक्ष सरकार को घेरने के लिए उपलब्ध हर मुद्दे का उपयोग करता है। लेकिन देहरादून में राहुल गांधी ने अपेक्षाकृत संयमित रणनीति अपनाई। उन्होंने आरोपों की सूची प्रस्तुत करने के बजाय एक ही विषय-युवाओं के भविष्य-पर लगातार बल दिया। इससे यह आभास मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल अपने राजनीतिक संदेश को बिखरने देने के बजाय सीमित लेकिन प्रभावी मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहती है। इसके पीछे एक महत्वपूर्ण चुनावी गणित भी दिखाई देता है।

आज का राशिफल

मेष – कामकाज निपटाने के लिये किसी के सहयोग की जरूरत होगी। लाभ होने का योग है। यात्रा आदि का योग प्रबल रहेगा। प्रयत्नों में सफलता मिलेगी।

वृषभ – दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें। अनपेक्षित वृषभन्तुकों से धन व्यय होगा। परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी। सुखद अनुभवों की प्राप्तिहोगी।

मिथुन – भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी संभव है। कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव व बर्चस्व बढ़ेगा। स्त्री जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। आर्थिक कार्यो में सुधार होगा।

कर्क – कुछ लोग आपसे नजदीकी का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में सुधार होगा। अतिथि वृषभमन का योग है। संयम से कार्य करें।

सिंह – रुकी योजनाओं में गति देने में सफलता मिलेगी। पारिवारिक परेशानी दूर होगी। हितकारी लाभदायक योजनायें बनेंगी। उत्साह बना रहेगा।

कन्या – कैरियर में आ रही बाधा दूरी होंगी। कम लाभ में भी संतोष रहेगा। उचित मार्गदर्शन मिलेंगे। मित्र आपकी मदद करेंगे।

तुला – स्वास्थ्य में उतार चढाव बना रहने से सेहत बिगड़ सकती है। मामूली बात पर मित्रों से कहासुनी होगी। मानसिक प्रसन्नता होगी। थोडे लाभ में भी संतोष रहेगा।

वृश्चिक – आपके सहज स्वाभाव का लोग गलत फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। निकट संबंधियों का सहयोग रहेगा। मनचाही सफलता मिलेगी। कामकाज पूरा होगा।

धनु – आपका कड़ा व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है। विद्या पक्ष में उन्नति होगी। कामकाजी महिलाओं को अच्छी सफलता का योग है।

मकर – आकस्मिक विस्तार की संभावना को बल मिलेगा। कामकाज की देरी से खिन्नता होगी। कोर्ट कचहरी के कार्यो में यथेष्ठ सफलता मिलेगी। कार्य की अधिकता रहेगी।

कुम्भ – आप किसी बात को लेकर भयभीत हो सकते हैं। मित्रों का साथ वृषभे बढने की हिम्मत देगा। परिश्रम अधिक रहेगा। किसी विशिष्ट व्यक्ति से सहयोग मिलेगा।

मीन – मित्रों से किया गया वादा निभाना मुश्किल होगा। नए काम की तलाश में सफलता मिलेगी। कामकाज के प्रति उत्साह बना रहेगा। व्ययभार की अधिकता रहेगी।

व्यापार-भविष्य

आषाढ शुक्ल चतुर्थी को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीपल खांड़ गेहूं, सूत, जौ, चना, तिल, तेल, में तेजी होगी। वायदा विचार आज शेयर बाजारों के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2559 है।

संक्षिप्त समाचार

किसान के बेटे ने पास की नीट की परीक्षा

चमकता राजस्थान/कासिम पत्रकार (फिरोजपुर झिरका) । मेवात क्षेत्र के विद्यार्थी ने NEET UG 2026 परीक्षा मे शानदार परीक्षा पास की ढोड कला निवासी मोहम्मद साद पुत्र जाकिर हुसैन ने सफलता हासिल कर सभी का ध्यान अपनी और आकर्षित किया मोहम्मद साद ने 617 अक आल इण्डिया रैंक 5661 तथा कैटेगरी रैक 2343 प्राप्त कर मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश कर मजबूत दावा पेश किया उनके पिता किसान है। और परिवार मेहनत कर बच्चों का खर्चा चलाता है। मोहम्मद साद मेवात पब्लिक स्कूल फिरोज पुर झिरका का पूर्व छात्र रहा है। उनकी इस उपलब्धि पर तिजारा मार्ग विद्यालय परिसर मे सम्मान समारोह आयोजित किया गया मेवात पब्लिक स्कूल के चैयरमैन एवं राष्ट्रीय शिक्षा रत्न अवार्डी शिक्षा विद् कासिम आजाद तथा स्कूल इन्चार्ज हेमलता श्री वास्तव ने मोहम्मद साद को सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की शुभ कामनाये दी उन्होने कहा है कि मोहम्मद साद की सफलता क्षेत्र के हजारो विद्यार्थियो को प्रेरणा है। इस अवसर मोहम्मद साद के माता पिता संघर्ष की मार्ग दर्शन की सराहना की वही नवाज गाईड लाइन के डायरेक्टर भी मोहम्मद साद को नीट परीक्षा पास होने की बधाई दी इस मौके पर हाजी जसमाल खान प्रधान जी डोंड कला हसन पार्षद ठेकेदार इरसाद अली पाहट इब्राहीम ढोड़ खुर्द भूरू खान सब्बीर नम्बरदार हाजी दीनू शाबान वसीम आर्यन आदि मौजूद रहे

रायसिंहनगर में नशे के खिलाफ युवाओं की आवाज बुलंद, पुलिस को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार और युवाओं में फैल रही नशे की लत के विरोध में आज युवाओं एवं SFI कार्यकर्ताओं ने रायसिंहनगर पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।
रत्रक्कतहसील अध्यक्ष गौरव भाखर ने मांग की कि क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा गांवों और शहर में नशे की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। युवाओं ने कहा कि नशे के कारण कई परिवार उजड़ चुके हैं और कई घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए हैं। महासचिव सौरभ इन्दलिया ने कहा कि आजकल क्षेत्र में मेडिकल नशे और चिट्टे का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण आए दिन कोई न कोई दुर्घटना, झगड़ा या अन्य अप्रिय घटना सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो युवा पीढ़ी का भविष्य गंभीर संकट में पड़ सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने तथा युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग की। थाना प्रभारी ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि नशा तस्करों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष गौरव भाखर, महासचिव सौरभ इन्दलिया, देवकरण बाना, साहिल स्वामी, यशराज राजपूत, अंशित भाखर, बिंदु मेहरा, देव मेहरा, पुष्पांक राजपूत, करण, विश्वास रिणवा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। युवाओं ने आमजन से भी नशे के खिलाफ आगे आने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

धरियावद में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया भगवान नेमिनाथ का मोक्ष कल्याणक

चमकता राजस्थान/धरियावद। धरियावद धर्म नगरी में चातुर्मास के पावन अवसर पर कल्याणपुरा मार्ग स्थित महावीर वाटिका के पुण्यसागर सभागार में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम परम पूज्य आचार्य श्री कल्प पुण्यसागर जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ।
भगवान नेमिनाथ के गिरनार पर्वत से मोक्ष प्राप्त करने की स्मृति में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान के श्रीचरणों में निर्वाण लाडू अर्पित किए। इस अवसर पर भगवान के निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य श्री गनोड़िया परिवार, श्री राजेंद्र कुमार जी एवं श्री प्रतीक कुमार जी परिवार को प्राप्त हुआ। सभी ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भगवान की आराधना कर पुण्य लाभ अर्जित किया।
धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री कल्प पुण्यसागर जी महाराज ने कहा कि मोक्ष रूपी वृक्ष का बीज व्रत है। व्रत धारण किए बिना मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बीज दो प्रकार के होते हैं। एक संसार का बीज है, जो जीव को जन्म-मरण के बंधनों में उलझाए रखता है, जबकि दूसरा व्रत का बीज है, जो कर्मों का क्षय कर जीव को मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में व्रत, संयम एवं धर्म को अपनाने का आ''ान किया।
कार्यक्रम का संचालन एवं निर्देशन बाल ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी बिगुल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान नेमिनाथ के त्याग, करुणा एवं अहिंसा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।
उक्त जानकारी समाज के सेठ दिनेश जेकणावत कमेटी अध्यक्ष सागरमल बोहरा ने दी।

रक्तदान शिविर का आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। श्रीमती सुमन शर्मा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के तहत मालवीय नगर सेक्टर 6 विजयवर्गीय लोन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 95 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ । इस कार्यक्रम का आयोजन जय नायक मालवीय नगर मंडल मंत्री चंद्र प्रकाश बाबू भाई(अध्यक्ष क्रिस्टल कोर्ट व्यापार मंडल)के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुरेश अरोड़ा (डिम्पी),राजन सरदार,खेम सिंह नेगी,वीरेंद्र नायक,प्रवीण मेहता, महेंद्र शर्मा रामावतार शर्मा उपस्थित रहे।

जयपुर ज्वेलरी शो (जेजेएस) को मिला नया नेतृत्व

राजीव जैन सर्वसम्मति से बने चेयरमैन

चमकता राजस्थान

जयपुर। जयपुर ज्वेलरी शो (जेजेएस) की आयोजन समिति ने सर्वसम्मति से राजीव जैन को जयपुर ज्वेलरी शो (जेजेएस) का चेयरमैन निर्वाचित किया है।
रत्न एवं आभूषण उद्योग के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व राजीव जैन ने इस क्षेत्र में दशकों तक उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान की हैं तथा अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनके द्वारा संभाले गए प्रमुख पदों में जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, के पूर्व चेयरमैन; कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), राजस्थान के चेयरमैन; म्यूज़ियम ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी, जयपुर के संस्थापक चेयरमैन तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी (IIGJ), जयपुर के पूर्व चेयरमैन शामिल हैं।
राजीव जैन, विमलचंद सुराणा का स्थान लेंगे, जिन्होंने पिछले 19 वर्षों तक जयपुर ज्वेलरी शो का सफल नेतृत्व किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व, समर्पण एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप जयपुर ज्वेलरी शो आज देश के सबसे प्रतिष्ठित एवं सफल रत्न एवं आभूषण आयोजनों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।
आयोजन समिति ने विमलचंद सुराणा के विशिष्ट नेतृत्व, उत्कृष्ट सेवाओं तथा जयपुर ज्वेलरी शो के विकास एवं विस्तार में उनके अमूल्य योगदान के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें सर्वसम्मति से जयपुर ज्वेलरी शो का संरक्षक (पैट्रन) मनोनीत किया है।
साथ ही, इन नियुक्तियों के बाद, जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) की कार्यकारिणी का गठन इस प्रकार किया गया है: दिनेश खटोरिया को वाइस चेयरमैन, कमल कोठारी को सचिव, अजय काला एवं अशोक सिंघी को संयुक्त सचिव और डॉ. नवल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
समिति के सभी सदस्यों ने राजीव जैन को सर्वसम्मति से चेयरमैन निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जयपुर ज्वेलरी शो नई उपलब्धियों के शिखर को प्राप्त करेगा तथा देश के अग्रणी रत्न एवं आभूषण आयोजनों में अपनी प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ करेगा।
आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति एवं उपसमितियों के सभी सदस्यों के निरंतर सहयोग और सक्रिय सहभागिता से जयपुर ज्वेलरी शो अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

गोपालगढ़ मदरसा सेफ्टी टैंक दुखांतिका पर DLSA ने लिया संज्ञान

कहा आपराधिक लापरवाही के दोषी लोगों को चिन्हित कर उन पर कार्रवाई कर कलेक्टर रिपोर्ट पेश करें

गोपालगढ़ के मीन मदरसे का DLSA सचिव श्री रामकिशन शर्मा जी ने किया औचक निरीक्षण; चेयरमैन मौलवी अरशद खान से किया जवाब-तलब, दिए कड़े निर्देश

चमकता राजस्थान

अमर दीप सेन डीग जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डीग/सीकरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), डीग अध्यक्ष श्री हेमराज गौड़ जी के निर्देशन में, सचिव श्री रामकिशन शर्मा जी ने आज दिनांक 20 जुलाई 2026 को डीग जिले के सीकरी क्षेत्र स्थित गोपालगढ़ मीन मदरसे का आकस्मिक एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय के साथ एलडीसी चीफ विनोद शर्मा, डिप्टी चीफ राजेंद्र शर्मा एवं पहाड़ी तहसीलदार धर्म सिंह जी , गोपालगढ़ थाना इंचार्ज रामावतार, सब-इंस्पेक्टर (SI) व पुलिस जाप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहा।

उल्लेखनीय है कि तीन दिवस पूर्व इस मदरसे में सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान एक अत्यंत दुखद दुर्घटना घटित हुई थी, जिसमें टैंक में उतारे जाने के कारण एक मासूम छात्रा की मृत्यु हो गई थी एवं 12 छात्राएं घायल हो गई थीं।
आज निरीक्षण के दौरान डीएलएसए सचिव व टीम ने पाया कि मदरसे के अंदर आवासीय छात्राएं रह रही हैं। निरीक्षण के वक्त टैंक में अत्यंत भयंकर बदबू फैली हुई थी,

- **चेयरमैन से जवाब-तलब एवं कड़े दिशा-निर्देश**

घटना पर जवाब-तलब: सचिव श्री रामकिशन शर्मा जी ने मदरसा ट्रस्ट के चेयरमैन मौलवी अरफद खान से सीधे जवाब-तलब करते हुए स्पष्टीकरण मांगा कि यह दर्दनाक घटना किस वजह से और किन परिस्थितियों में घटित हुई।
सचिव महोदय जी के द्वारा कमेटी को निर्देश दिए कि वे जाँच में सहयोग करे।
अनिवार्य पंजीकरण (Registration): क्षेत्र में बिना पंजीकरण संचालित हो रहे मदरसों को अविलंब वैधानिक पंजीकरण (Registration) की प्रक्रिया पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।
सुरक्षा एवं बाल अधिकार संरक्षण: मदरसे में रह रही बच्चों से किसी भी प्रकार का असुरक्षित या जोखिम भरा कार्य कराना सख्त गैर-कानूनी है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के 119वें स्थापना दिवस पर गरिमामय समारोह, नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में वितरित की उपयोगी सामग्री

चमकता राजस्थान

अनिल सैन/ फलोदी। बैंक ऑफ बड़ौदा के 119वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को स्थानीय शाखा में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक के सम्मानित ग्राहकों, गणमान्य नागरिकों एवं बैंक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा प्रबंधक प्रभात घोष ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने बैंक की 119 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, ग्राहकों के अटूट विश्वास एवं उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैंक सदैव ग्राहक सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से समर्पित भाव से कार्य करते हुए ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया।
समारोह को सफल बनाने में सौम्या त्रिपाठी, सरिता, महेश परिहार, सुनील सोलंकी, ललित परिहार, जगदीश परिहार, भाकर राम, राज कुमार, किशोर कुमार एवं रानू कृष्णा धर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर उपस्थित ग्राहकों ने बैंक की सेवाओं की सराहना करते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।
स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ऑफ बड़ौदा ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए स्थानीय नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में बच्चों को पानी की बोतलें, वाटर कैंपर, तौलिए एवं अन्य आवश्यक उपयोगी सामग्री भेंट की। बैंक की इस पहल की विद्यालय प्रशासन एवं उपस्थित लोगों ने सराहना की।
कार्यक्रम का संचालन जगदीश परिहार ने किया, जबकि सौम्या त्रिपाठी ने सभी अतिथियों, ग्राहकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। अंत में केक काटकर बैंक का 119वां स्थापना दिवस मनाया गया तथा ग्राहकों को और बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने का संकल्प दोहराया गया।

अतिवृष्टि के कारण देहरादून-मसूरी मुख्य मार्ग पर सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त

चमकता राजस्थान/देहरादून/मसूरी (दीपक शर्मा बामनवास)। सोमवार अतिवृष्टि के कारण देहरादून-मसूरी मुख्य मार्ग पर पानी वाले बैण्ड पर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है।
आमजन की सुरक्षा व जान-माल की हानि के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा देहरादून- मसूरी मार्ग को अग्रिम आदेशों तक आवाजाही हेतु प्रतिबंधित करते हुए उक्त मार्ग को किसी भी प्रकार के परिवहन हेतु निषिद्ध किया गया है। वर्तमान में मसूरी आने-जाने के लिए किमाड़ी मार्ग का प्रयोग किया जा रहा है । प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि कृपया मुख्य मार्ग के खुलने तक मसूरी आने जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें।

माँ वैष्णो देवी धाम, काली पहाड़ी में 22वें पाटोत्सव महोत्सव का भव्य शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ी आस्था

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। माँ वैष्णो देवी धाम, काली पहाड़ी में आयोजित 22वें पाटोत्सव महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर से निकाली गई भव्य कलश यात्रा के साथ श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे मार्ग में माँ वैष्णो देवी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा कुण्डल मंडल अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर तथा विशिष्ट अतिथि प्रधान प्रहलाद रोहड़ा ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर कलश यात्रा को रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए माँ की भक्ति में लीन नजर आए। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।
आयोजकों ने बताया कि पाटोत्सव महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने माँ वैष्णो देवी से सभी श्रद्धालुओं के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए 22वें पाटोत्सव महोत्सव के सफल, मंगलमय और ऐतिहासिक आयोजन की प्रार्थना की।

पुस्तक समीक्षा : 'दिल में बसे हो'

लेखिका: हिमाद्री 'समर्थ'
समीक्षक: नूतन स्मृति
प्रकाशक: साहित्यागार

हिमाद्री वर्मा समर्थ की प्रकाशित कृति ₹दिल में बसे हो₹ शीर्षक से भले ही प्रेम-कथा का आभास दे, पर यह दरअसल एक दांपत्य-थ्रिलर है जिसे 101 सिनेमाई दृश्यों में पिरोया गया है । यह प्रयोगधर्मी शैली ही पुस्तक की सबसे बड़ी ताकत है । जो पाठक पारंपरिक उपन्यास से हटकर सिनेमैटिक, तेज और सामाजिक मुद्दों पर चोट करने वाली किताबें पसंद करते हैं, उन्हें यह जरूर पढ़नी चाहिए।
कथानक: कहानी इंस्पेक्टर देव और उसकी पत्नी राधिका के टूटते-बनते रिश्ते की है । राधिका गृहिणी से स्क्रिप्ट राइटर बनने का सफर तय करती है । निर्माता कृष्णा सिंघानिया उसकी स्क्रिप्ट चुनता है और उसे नई पहचान मिलती है । पर यही सफलता देव के अहं को चोट पहुंचाती है। पत्नी की व्यस्तता और आज़ादी से असुरक्षित देव वह कदम उठाता है जिसकी कल्पना कोई नहीं कर सकता - वह खुद राधिका की किडनैपिंग करवा देता है ।
शैली और शिल्प: 101 दृश्यों में बंटी यह किताब पढ़ने में नहीं, देखने में ज्यादा लगती है । हर दृश्य छोटा, कसा हुआ और संवाद-प्रधान है । थाने का तनाव, राधिका की लेखन-डेस्क का एकांत, सिंघानिया के दफ्तर की चकाचौंध - लेखिका कैमरा घुमाती चलती है । इस कारण कथानक रफ्तार कभी धीमी नहीं पड़ती। थ्रिलर विधा के लिए यह फॉर्मेट एकदम सटीक बैठता है।
समस्या प्रधान : लेखिका ने प्रेम के नाम पर चलने वाले ₹अधिकार-बोध₹ पर चोट की है। शीर्षक ₹दिल में बसे हो₹ व्यंग्य बन जाता है जब पता चलता है कि देव के दिल में प्रेम नहीं, कंट्रोल बसता है । एक वर्दीधारी रक्षक का भक्षक बन जाना आज के समय की कड़वी सच्चाई दिखाता है। पुरुष-अहं बनाम स्त्री-महत्वाकांक्षा का द्वंद्व यहाँ बहुत बारीकी से उकेरा गया है।
भाषा शैली - हाँ, 'दिल में बसे हो' में जगह-जगह अंग्रेजी शब्दों और पूरे-पूरे अंग्रेजी वाक्यों का इस्तेमाल लेखिका हिमाद्री वर्मा समर्थ ने जानबूझकर किया है । और ये खामी नहीं, बल्कि कहानी की ज़रूरत है ।
हिंदी लेखन में अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग तीन बड़े कारणों को संकेतित करता है -
किरदारों की दुनिया दिखाने के लिए - राधिका स्क्रिप्ट राइटर बनती है और कृष्णा सिंघानिया फिल्म प्रोड्यूसर है । फिल्म-मीडिया की दुनिया में हिंदी-अंग्रेजी का मिक्स चलना एकदम स्वाभाविक है । जैसे "You are looking awesome Radhika" या "what a pleasant surprise " जैसे डायलॉग उस प्रोफेशनल माहौल को असली बनाते हैं । हिंदी में अनुवाद किया जाता तो पत्रों का संवाद बनावटी लगता ।
लेखन की नज़र से ये 'कोड-मिक्सिग' है, 'कोड-स्विचिंग' नहीं। यानी हिंदी के बीच अंग्रेजी शब्द घुसाना । हिंदी कथा-साहित्य में अब ये आम हो चला है - खासकर शहरी पृष्ठभूमि की कहानियों में । मन्नू भंडारी से लेकर आज के नए लेखक तक ये करते आए हैं। अंग्रेजी का इस्तेमाल यहाँ स्टाइल के लिए नहीं, कहानी के सच के लिए हुआ है। देव की दुनिया और राधिका की नई दुनिया के बीच की दीवार भाषा से ही खड़ी होती है अंत में जब दोनों का मिलन होता है तो दोनों ही अपने दांपत्य की सामाजिकता को निभाते हुए नवजीवन की पुनः स्थापना करते हैं ` इस अनुपम कृति के लिए लेखिका को हार्दिक बधाई !

समीक्षा - डॉ नूतन स्मृति,
विभागाध्यक्ष ,कासीगा स्कूल ,
देहरादून

विफा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ सीए सुनील शर्मा को 'विप्र जीवन गौरव पुरस्कार' से नवाजा

विफा के जोन 12-सी की ओर से जालना में भव्य शपथ ग्रहण एवं पदग्रहण समारोह आयोजित

चमकता राजस्थान

जालना। ब्राह्मण समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन (विफा) जोन 12-सी की ओर से जालना (महाराष्ट्र) में भव्य शपथ ग्रहण एवं पदग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान विप्र समाज के संगठनात्मक सशक्तीकरण, सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने तथा समाजहित में किए गए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मान स्वरूप राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ सीए सुनील शर्मा को 'विप्र जीवन गौरव पुरस्कार' से नवाजा गया। डॉ शर्मा को शॉल, सम्मान-पत्र एवं पुष्पमाला

भेंट कर भावभीने एवं गरिमामय वातावरण में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने करतल ध्वनि से पूरे सभागार को गुंजायमान कर दिया और खड़े होकर उनका अभिनंदन किया। इस गौरवशाली अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सीए आर. बी. शर्मा, राष्ट्रीय सचिव सुरेश पारीक, पर्यवेक्षक राजेश बुटोले, जोन 12-सी अध्यक्ष रामनिवास गौड़, संगठन महामंत्री पवन जोशी, कोषाध्यक्ष ललित बिजावत, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रमेश शर्मा, बंकटलाल खंडेलवाल, दामोदर पांडे, सीए अनुप शुक्ला, नाशिक जोन अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, जोन उपाध्यक्ष किशोर उपाध्याय, सीए सीएम. शर्मा, श्यामसुंदर पारिक, अरुण कुमार ओझा, राजेंद्र शर्मा, छत्रपति संभाजीनगर चैप्टर अध्यक्ष विवेक तिवारी, संगठन महामंत्री विनोद बबेरवाल, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, परभणी अध्यक्ष एडवोकेट आनंद शर्मा, संगठन महामंत्री पवन पुरोहित, कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, बीड अध्यक्ष महेश बोरा, संगठन महामंत्री योगेश दायमा, कोषाध्यक्ष किशोर शर्मा, जालना अध्यक्ष जयप्रकाश श्रीमाली, संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष महेश खंडेलवाल, महिला प्रकोष्ठ जालना अध्यक्ष श्रीमती रश्मी शर्मा, संगठन महामंत्री श्रीमती प्रिया अबोटी, कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्या शर्मा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गौरव बोरा, संगठन महामंत्री प्रतीक सारस्वत, कोषाध्यक्ष रोहित गौड़, वीआईसीसीआई अध्यक्ष विशाल शर्मा, सचिव रवींद्र अबोटी सहित अनेक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम धरने में आस बंधी आयुक्त की कार्यवाही से

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। कई वर्षों से नगर निगम परचम धरने में बैठी पीड़िता उषा गर्ग ने बताया नए आयुक्त श्री राहुल जैन जी ने स्वयं उनसे धरने में मुलाकात करके कहा आपकी फाइल पूरी तैयार करके भेज दी है डी एल बी में बस आते ही आपको पट्टा दे दिया जाएगा उषा गर्ग ने संतोष जताते हुए अपील की है जल्द से जल्द हमे न्याय दिलाएं आज दिन भर कई लोग उनसे मिले जिसमें लायन एस एल शर्मा जी रॉकस्टार लायंस सचिव अमित पेड़ीवाल अलायंस अध्यक्ष लक्ष्मी शेखावत ने भी आकर चिंता व्यक्त की और आयुक्त जी से अनुरोध किया जल्द से जल्द पीड़िता उषा गर्ग को पट्टा देकर धरना तुड़वाए

जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान/मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर, ही Hope Human Welfare Society के तत्वावधान में रविवार को महाराणा प्रताप कॉलोनी, नागौर में जरूरतमंद एवं आमजन के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन शाम 5:00 बजे से 7:00 बजे तक किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में डॉ. दिनेश मिश्रा ने उपस्थित लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। संस्था के फाउंडर नदीम खान ने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव, नियमित जांच के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

संस्था के अध्यक्ष सुनील शर्मा व कोषाध्यक्ष शादाब खान ने बताया कि ही Hope Human Welfare Society समाज के जरूरतमंद वर्ग तक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए समय-समय पर इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

शिविर के सफल आयोजन में संस्था के नर्सिंग कर्मी शेर मोहम्मद,सहीराम, व अनस खान,मो नदीम इरफान ताकली समीर खान मुकेश आदि पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों का विशेष सहयोग रहा। संस्था ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

दौसा में 21 जुलाई को दो चरणों में बिजली कटौती, आगरा रोड के कई क्षेत्रों में रहेगी विद्युत आपूर्ति बाधित

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। हाईवे पुलिया निर्माण कार्य के चलते जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) ने 21 जुलाई को आगरा रोड प्रथम एवं आगरा रोड-द्वितीय 11 केवी फीडरों से होने वाली विद्युत आपूर्ति निर्धारित समय के लिए बंद रखने का निर्णय लिया है। निगम ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से आवश्यक कार्य पहले ही निपटाने की अपील की है।

सहायक अभियंता (एचटीएम) नेहा मीणा ने बताया कि 11 केवी आगरा रोड-प्रथम फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान सूर्य मंदिर, गंगा विहार, संत सुंदरदास स्मारक, करणी नगर, संगम विहार, गोविंद देवजी मंदिर, श्रीनगर, पायलट नगर, सरस्वती कॉलेज, श्रीराम होटल, खेड़ली पेट्रोल पंप, नवोदय विद्यालय सहित फीडर से जुड़े सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

वहीं 11 केवी आगरा रोड-द्वितीय फीडर की विद्युत आपूर्ति दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान इम्पल्स कॉलेज, कपिल विहार, सरस दूध डेयरी, बिचलवास रोड, गिर्राज मंदिर, अतिथि होटल, सत्कार होटल, हवेली होटल, जोरावर नगर, गोविंद देवजी मंदिर के सामने का क्षेत्र, सुभी हॉस्पिटल, राजाहेड़ा सहित संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

जेवीवीएनएल ने बताया कि यह शटडाउन हाईवे पुलिया निर्माण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से पूरा करने के लिए लिया जा रहा है। निगम ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि असुविधा से बचने के लिए अपने आवश्यक विद्युत संबंधी कार्य निर्धारित समय से पहले पूर्ण कर लें।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान

सेमारी। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ जिला सलूंबर के बैनर तले जिला अध्यक्ष स्वरूपसिंह शक्तावत बाणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश सलूंबर को शिक्षको कि विभिन्न जवळन्त समस्याओ को लेकर ज्ञापन दिया गया जिसमें प्रमुख मांग तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण की रही 2018 के बाद स्थानांतरण नहीं किए गए हैं जबकि अन्य कैडर के स्थानांतरण नियमित रूप से किए जा रहे हैं संघ ने मांग की है की तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण तुरंत प्रभाव से किया जावे शिक्षा विभाग में विगत 6 शिक्षा सत्रों छात्रों से वरिष्ठ अध्यापक पद पर पदोन्नति नहीं हुई है अभिलंब डीपीसी की जावे

जून 2026 को वित्त विभाग द्वारा जारी सर्कुलर को प्रत्याहारित किया जाए थर्ड ग्रेड शिक्षक के उच्च पद पर जाने पर उन्होंने आरएसआर नियम 24 और 26 के तहत वेतन संरक्षण का लाभ हंड्रेड परसेंट देय है और इसके विरुद्ध जाने वाली कोई भी रिकवरी पूर्णतः विधि सिद्धांतों के विपरीत और अवैध है

प्रदेश में सरकारी विद्यालयों में कार्यरत तृतीय श्रेणी अध्यापकों को टीईटी परीक्षा से मुक्त किया जाए साथ ही सेवा अनुभव के मूल्यांकन तथा अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराकर व्यावहारिक राहत प्रदान की जावे जी

राजकीय विद्यालयों में जर्जर घोषित किए गए भवन को अति शीघ्र मरम्मद कराई जाए। विद्यालयों में विद्यार्थियों के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 2015 में बनी स्टाफिंग पैटर्न व्यवस्था को लागू करते हुए नव कर्मोन्नत तथा अतिरिक्त संकाय वाले विद्यालयों सहित समस्त विद्यालयों में छात्र अनुपात में शिक्षक नियुक्त किया जावे। राज्य सरकार द्वारा शिक्षकों और कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण सरेडर लीव जीएफ राज्य बीमा राशि के भुगतान पर अघोषित आर्थिक नाकेबंदी को खत्म कर शीघ्र भुगतान व्यवस्था शुरू करवाई जावे। ज्ञापन ज्ञापन में झलारा ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैयालाल सरवर सराडा ब्लॉक अध्यक्ष सलूंबर ब्लॉक अध्यक्ष रुपेश मीणा सहित प्रदेश प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह शक्तावत केशवलाल मीणा मेघराज पटेल भूषण पंड्या अनिल पाटीदार दिलीप सिंह नवीनपुरी गोस्वामी,राकेश ओडिच्च, दिनेश सुधार जितेंद्र सिंह,हीरालाल पटेल राजेंद्र सिंह प्रदीप जोशी,शंकरलाल मीणा,सहित संगठन के दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

श्री चारभुजा जी मंदिर की खाताबंदी भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/धरियावद पारसोला। सकल वैष्णव समाज, पारसोला द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान के नाम ज्ञापन प्रेषित कर श्री चारभुजा जी मंदिर की खाताबंदी भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। समाज का आरोप है कि मंदिर की खाताबंदी भूमि, आराजी संख्या 890-891 पर लंबे समय से कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि तहसील प्रशासन द्वारा पूर्व में राजस्व अधिकारियों की टीम गठित कर भूमि का सीमांकन कराया गया था। प्रस्तुत रिपोर्ट में भी संबंधित भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति सामने आने का उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद अब तक अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समाज में रोष व्याप्त है।

समाज ने यह भी कहा कि इस संबंध में पूर्व में उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में वाद भी प्रस्तुत किया गया था, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मंदिर की देवस्थान भूमि अतिक्रमण मुक्त नहीं हो सकी है। इससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

सकल वैष्णव समाज ने मुख्यमंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप कर मंदिर की खाताबंदी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो समाजजन आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।उक्त ज्ञापन समाज के अध्यक्ष मेघाराज कि अध्यक्षता मे दिया गया धरियावद तहसीलदार दीपिका कटारा को.

विकास अधिकारी अकलेरा कार्यालय से नदारद: पंचायत समिति के पीछे बने सरकारी आवास में आराम फरमा रहे अधिकारी, दिनभर भटकने को मजबूर आम जनता

चमकता राजस्थान

अकलेरा/ दिनेश शर्मा। अकलेरा पंचायत समिति के विकास अधिकारी (इब्ड) की कार्यप्रणाली को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। जिम्मेदार अधिकारी जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय अपने दफ्तर से नदारद रहने और कार्यालय समय में सरकारी आवास पर आराम फरमाने में व्यस्त हैं।

- **कार्यालय में ताले जैसी स्थिति, जनता परेशान**

दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से अपनी फरियाद लेकर अकलेरा पंचायत समिति पहुंचने वाले आम नागरिकों को भारी निराशा का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय में विकास अधिकारी के नहीं मिलने के कारण लोग दिनभर इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। आम जनता का आरोप है कि अधिकारी का मुख्य कार्यालय समय केवल खानापूर्ति बनकर रह गया है।

- **सरकारी आवास बना जनता की पहुंच से दूर का ठिकाना**

विश्वसनीय सूत्रों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, विकास अधिकारी अकलेरा कार्यालय में बैठने के बजाय पंचायत समिति के पीछे बने अपने सरकारी आवास में ही समय बिताते हैं। जनता जब अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालय पहुंचती है, तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि अधिकारी अपने सरकारी आवास में आराम फरमाते नजर आते हैं।

- **प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर बड़ा सवालिया निशान**

एक तरफ सरकार ग्रामीण विकास और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ मैदानी स्तर पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी इन दावों की पोल खोल रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने चेतावनी दी है कि यदि विकास अधिकारी का यही रवैया जारी रहा, तो उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

भैंस चराने गए 16 वर्षीय छात्र की पत्थरों से निर्मम हत्या, जंगल में प्लास्टिक के कट्टे से ढका मिला शव

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण/बाड़ी। बाड़ी सदर थाना क्षेत्र के गांव कुहाबनी में रविवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव निवासी 16 वर्षीय मनोज पुत्र मुन्ना, जो भैंस चराने के लिए जंगल गया था, उसकी अज्ञात लोगों ने पत्थरों से सिर कुचलकर निर्मम हत्या कर दी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की।तलाश के दौरान पंजाबीपुरा के पास जंगल में उसका शव प्लास्टिक के कट्टे से ढका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्या से आक्रोशित ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हो गए और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर बाड़ी- बसेड़ी स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, और यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर निष्पक्ष जांच, शीघ्र खुलासे और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया। प्रशासन की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया, जिसके बाद यातायात सुचारु रूप से बहाल हो सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया तथा अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ करने के साथ-साथ सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम कार्रवाई की मांग की है।

4 से 6 दिसंबर तक जयपुर में होगा लोकमंथन-2026, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में हुई तैयारियों की समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को पर्यटन भवन में आगामी लोकमंथन-2026 के आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की तैयारियों, विभिन्न समितियों के गठन और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि लोकमंथन देशभर के लोक कलाकारों, शिल्पकारों, विद्वानों, शोधकर्ताओं और विचारकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में भी सहायक होगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विश्वास जताया कि लोकमंथन-2026 राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक और पर्यटन छवि को भी और मजबूत करेगा।

लोकमंथन-2026 का आयोजन 4 से 6 दिसंबर तक जयपुर में होगा। यह केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, कला, शिल्प और वैचारिक विमर्श का राष्ट्रीय मंच है। इस वर्ष आयोजन की थीम ''भारत का संविधान और भारत का लोकजीवन'' रखी गई है।

डबल इंजन सरकार ने पूरा किया शेखावाटी का तीन दशक पुराना इंतजार

यमुना जल समझौते से 75 लाख लोगों को मिलेगा स्थायी लाभ, विकास की नई धारा से जुड़ेगा शेखावाटी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

295 किमी पाइपलाइन से पहुंचेगा 1917 क्यूसेक यमुना जल, 662 ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण और आधुनिक आधारभूत ढांचे को भी मिलेगी गति

चमकता राजस्थान

जयपुर,(खलील कुरैशी)20 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऐतिहासिक यमुना जल समझौता शेखावाटी के उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य की आधारशिला सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने तीन दशक पुराने जल संकट के समाधान का मार्ग प्रशस्त करते हुए सीकर, झुंझुनूं और चूरू को विकास, विरासत और विश्वास के मॉडल जिले बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है।जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में शेखावाटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच यमुना जल से भरा प्रतीकात्मक कलश शेखावाटी अंचल को समर्पित किया। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों ने उनके भागीरथी प्रयासों का अभिनंदन किया तथा महिलाओं ने पारंपरिक मंगलगीतों के साथ स्वागत किया।मुख्यमंत्री ने बताया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के माध्यम से 1917 क्यूसेक यमुना जल शेखावाटी पहुंचेगा, जिससे सीकर, झुंझुनूं और चूरू सहित करीब 75 लाख लोगों को स्थायी जल राहत मिलेगी। वर्ष 1994 के समझौते के बावजूद राजस्थान को उसका अधिकार नहीं मिला था, लेकिन वर्तमान सरकार ने संवाद, समर्पण और समन्वय की नीति से ढाई वर्षों में इस ऐतिहासिक समझौते को साकार किया।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल सुरक्षा के साथ सड़क, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पर भी समान गति से कार्य कर रही है। शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना के तहत 662 ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण एवं पर्यटन विकास की कार्ययोजना तैयार की गई है। वहीं कोटपूतलीझकिशनगढ़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और बीकानेरझकोटपूतली एक्सप्रेस-वे से क्षेत्र में व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन और आवागमन को नई गति मिलेगी।

शेखावाटी वीरता, उद्यमिता, आस्था और सांस्कृतिक गौरव की भूमिः- मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने शेखावाटी को वीरता, उद्यमिता, आस्था और सांस्कृतिक गौरव की भूमि बताते हुए कहा कि यहां के वीर सैनिकों, उद्यमियों और धार्मिक स्थलों ने देशभर में विशिष्ट पहचान बनाई है।नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि यह समझौता शेखावाटी के विकास का नया अध्याय है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने इसे पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के सपनों को साकार करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। शेखावाटी फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद कुमार गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री के भागीरथी प्रयासों से शेखावाटी की प्यासी धरती को यमुना का जल मिलेगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास और आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा।

कार्यक्रम में ये गणमान्यजन वरिष्ठ जनसेवक रहें मौजूद

» कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, विधायक कालीचरण सराफ, गोरधन वर्मा, हरलाल सहारण, राजेंद्र भांबू, सुभाष मील, गोपाल शर्मा, धर्मपाल गुर्जर, विक्रम सिंह जाखल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शेखावाटी फाउंडेशन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चाकसू को विकास की नई सौगातः कन्वेंशन सेंटर, ऑडिटोरियम व कैफे निर्माण के लिए 6.54 करोड़ रुपये स्वीकृत

- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत नगर पालिका चाकसू को मिलेगी राशि,
- आधुनिक नागरिक सुविधाओं का होगा विस्तार

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी), 20 जुलाई। चाकसू शहर के समग्र विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला परिषद् जयपुर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के अंतर्गत कन्वेंशन सेंटर, ऑडिटोरियम, कैफे तथा अन्य विकास कार्यों के लिए 6 करोड़ 54 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इसके साथ ही ई-वर्क पोर्टल पर निर्धारित सीमा तक राशि हस्तांतरण की अनुमति भी प्रदान कर दी गई है।जिला परिषद् की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन विकास कार्यों का क्रियान्वयन नगर पालिका चाकसू द्वारा किया जाएगा। परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र को आधुनिक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा विकसित होगा।स्वीकृति आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य तकनीकी स्वीकृति एवं ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2025 के प्रावधानों के अनुरूप निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। साथ ही कार्यों की प्रगति नियमित रूप से ई-वर्क पोर्टल पर दर्ज करने तथा सभी वित्तीय एवं तकनीकी नियमों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।यह स्वीकृति चाकसू के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में विकास गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी और नागरिकों को आधुनिक एवं सुविधाजनक सार्वजनिक अवसंरचना का लाभ मिलेगा।

ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के फॉलो-अप शिविर :

- 21 जुलाई से 31 अगस्त तक लंबित प्रकरणों, जनसमस्याओं और सुझावों के क्रियान्वयन पर रहेगा विशेष फोकस
- सभी विभागों की सहभागिता से रास्तों व अतिक्रमण संबंधी मामलों का प्राथमिकता से होगा निस्तारण

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी)राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत 21 जुलाई से 31 अगस्त, 2026 तक फॉलो-अप शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य मुख्य अभियान के दौरान शेष रहे कार्यों को पूरा करना, लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करना तथा ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) राजीव द्विवेदी ने बताया कि फॉलो-अप शिविरों में सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। शिविरों में प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से ग्रामीणों तक पहुंच सके।उन्होंने बताया कि रास्तों एवं अतिक्रमण से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। साथ ही, विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों का मौके पर समाधान कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने पर विशेष जोर रहेगा।ग्रामीण सेवा शिविरों का यह फॉलो-अप अभियान संवेदनशील, जवाबदेह और जन-केंद्रित प्रशासन को मजबूत करने के साथ ग्रामीण विकास एवं सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026: रामेश्वरम-मदुरई के लिए विशेष एसी ट्रेन रवाना

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दिखाई हरी झंडी, 970 वरिष्ठ नागरिक करेंगे सात दिवसीय निःशुल्क तीर्थ यात्रा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी)20 जुलाई। राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के अंतर्गत मदार रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम-मदुरई के लिए विशेष वातानुकूलित तीर्थयात्री ट्रेन को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।देवनानी ने कहा कि तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नयन तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना बुजुर्गों के सम्मान और सामाजिक सरोकारों को सशक्त बनाने की राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गिरीश कुमार बचानी ने बताया कि इस विशेष एसी ट्रेन से 970 वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा पर रवाना हुए हैं, जिनमें अजमेर के 510 एवं भीलवाड़ा के 460 यात्री शामिल हैं। सात दिवसीय यात्रा के दौरान भोजन, आवास, सुरक्षा, यात्रा गाइड सहित सभी आवश्यक सुविधाएं आईआरसीटीसी के माध्यम से पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।ट्रेन के रवाना होने के अवसर पर यात्रियों एवं उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जिला प्रशासन एवं देवस्थान विभाग ने सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की।

कुरैशी महासभा संस्थान राजस्थान का अभिनव निर्णय

स्थापना दिवस पर प्रदेशभर में होंगे जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

चमकता राजस्थान

- शिक्षा, संगठन और सामाजिक एकता को मिलेगा नया आयाम
- मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाशाली युवाओं का होगा सम्मान

जयपुर।(खलील कुरैशी) कुरैशी महासभा संस्थान राजस्थान ने अपनी स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आगामी अगस्त माह में प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना तथा संगठनात्मक एकता को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।समारोह के अंतर्गत 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, ठएएळ, खएए, वढरउ, फ्अर, उअ, उछअळ सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही शिक्षा, खेल, सरकारी सेवा, व्यवसाय, सामाजिक सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक जिले में संस्थान के जिला एवं तहसील पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर संगठन की एक वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा तथा आगामी कार्ययोजना एवं संगठन विस्तार पर विचार-विमर्श किया जाएगा।समारोह को गरिमामय स्वरूप प्रदान करने के लिए जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, उपखंड अधिकारी, नगर निगम/नगर परिषद के आयुक्त, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाज के वरिष्ठजनों को मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। उनके कर-कमलों से प्रतिभाओं का सम्मान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया जाएगा तथा समाज और प्रशासन के बीच सकारात्मक समन्वय को भी मजबूती मिलेगी।संस्थान ने सभी जिला अध्यक्षों से आ''ान किया है कि वे अपने-अपने जिले में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले विद्यार्थियों एवं युवाओं की सूची तैयार कर जिला कार्यकारिणी के सहयोग से स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य, अनुशासित एवं प्रेरणादायी आयोजन सुनिश्चित करें।यह पहल केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में शिक्षा, प्रतिभा, अनुशासन और संगठनात्मक एकता को बढ़ावा देने का सशक्त अभियान है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को परिश्रम, उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में सांगानेर थाना उत्कृष्ट पुलिसिंग की ओर

गोद लिए थाने का पुनः निरीक्षण, पूर्व निर्देशों की प्रगति की समीक्षा

लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, प्रभावी जनसेवा और सामुदायिक पुलिसिंग को और मजबूत बनाने के निर्देश

- पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा, अतिरिक्त डीसीपी पारस जैन एवं एसीपी हरिशंकर शर्मा भी रहें मौजूद

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)20 जुलाई। राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने अपने द्वारा गोद लिए गए सांगानेर पुलिस थाने का पुनः निरीक्षण कर पूर्व में दिए गए निर्देशों की अनुपालना की समीक्षा की। उन्होंने अपराध नियंत्रण, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, जनसेवा और सामुदायिक पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट एवं समयबद्ध दिशा-निर्देश दिए।डीजीपी शर्मा ने कहा कि पुलिस थाना न्याय, विश्वास और जनसुरक्षा का प्रथम केंद्र है, इसलिए प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, पारदर्शी कार्यप्रणाली और पीड़ित-केंद्रित पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के विशेष अभियान के माध्यम से निस्तारण, महिला अत्याचार संबंधी मामलों की प्राथमिकता से जांच, केस ऑफिसर योजना की नियमित मॉनिटरिंग तथा न्यायालयों में प्रभावी पैरवी पर विशेष जोर दिया।उन्होंने सड़क दुर्घटना संभावित हॉटस्पॉट पर प्रभावी कार्रवाई, कमजोर वर्गों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, समयबद्ध पुलिस सत्यापन तथा कानून-व्यवस्था के मामलों में त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश भी दिए। साथ ही बीट अधिकारियों को आमजन के बीच नियमित संवाद स्थापित कर नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराधों से बचाव और पुलिस की जनहितकारी सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने को कहा।डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने थाना परिसर की स्वच्छता, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, कार्यालय व्यवस्था और आमजन की सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किए गए सुधार कार्यों की सराहना करते हुए 'उत्कृष्ट थाना मार्गदर्शिका' के सभी मानकों को समयबद्ध लागू कर सांगानेर थाने को प्रदेश के आदर्श थानों में विकसित करने का आ''ान किया।निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा, अतिरिक्त डीसीपी पारस जैन एवं एसीपी हरिशंकर शर्मा उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस-2025 की पहल के तहत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों द्वारा गोद लिए गए थानों के नियमित मार्गदर्शन, पर्यवेक्षण और सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा की सक्रियता, कुशल निर्देशन और प्रभावी पर्यवेक्षण से सांगानेर थाना उत्कृष्ट, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बाड़मेर में एसीबी का बड़ा एक्शन: 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

- भूमि कन्वर्जन की रिपोर्ट व प्रक्रिया में सहयोग के नाम पर मांगी थी 20 हजार रुपये की रिश्वत
- 5 हजार पहले ले चुका था आरोपी, शेष राशि लेते ही एसीबी ने दबोचा; भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

चमकता राजस्थान/जयपुर/बाड़मेर (खलील कुरैशी) भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बाड़मेर जिले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पटवार

मंडल ईटादा, तहसील धनाऊ के पटवारी संजयकुमार मीणा को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने ग्राम ईटादा स्थित कृषि भूमि के कॉमर्शियल कन्वर्जन के लिए मौका निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा आगे की कार्रवाई में सहयोग के बदले 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। सत्यापन के दौरान आरोपी 5 हजार रुपये पहले ही प्राप्त कर चुका था, जबकि शेष 15 हजार रुपये लेते समय एसीबी टीम ने उसे ट्रैप कर गिरफ्तार कर लिया।यह कार्रवाई एसीबी रेंज जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरवीजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार एवं पुलिस निरीक्षक देवाराम के नेतृत्व में एसीबी बाड़मेर की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमला के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिकायत करेंएसीबी ने आमजन से अपील की है कि रिश्वत की मांग होने पर टोल फ्री हेल्पलाइन 1064 अथवा व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9413502834 पर 24×7 सूचना दें। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि शिकायतकर्ता के वैध कार्यों में पूर्ण सहयोग एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

विशेष अभियान में अलवर पुलिस की बड़ी सफलता, 4 गुमशुदा सकुशल दस्तयाब

- जयपुर से नाबालिग बालिका सुरक्षित बरामद, 70 वर्षीय मंदबुद्धि वृद्धा को परिजनों से मिलाकर पुलिस ने पेश की संवेदनशीलता की मिसाल

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी), 20 जुलाई। अलवर पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग बालिका सहित चार गुमशुदाओं को सकुशल दस्तयाब किया। साथ ही थाना अखैपुरा क्षेत्र में भटक रही 70 वर्षीय मंदबुद्धि वृद्ध महिला को उसके परिजनों से मिलाकर मानवीय पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) डॉ. दीपक कुमार एवं वृताधिकारी उत्तर शहर अंगद शर्मा के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाधिकारी संजय शर्मा के कुशल नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान, प्रभावी आसूचना संकलन और सतत प्रयासों के बल पर यह सफलता अर्जित की।अभियान के दौरान 9 जुलाई से लापता नाबालिग बालिका को जयपुर से सुरक्षित बरामद कर विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा 27 जून से लापता एक युवती, 11 जुलाई से लापता एक युवक को गुरुग्राम के बिलासपुर से तथा 15 जुलाई से लापता दूसरी युवती को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।19 जुलाई की रात मिली मंदबुद्धि वृद्ध महिला की पहचान सोशल मीडिया, विभिन्न पुलिस थानों एवं उपलब्ध सूचनाओं के माध्यम से सुनिश्चित कर उसे विजय मंदिर थाना क्षेत्र निवासी परिजनों से मिलाया गया, जिससे परिवार की खुशियां लौट आई।पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि गुमशुदा व्यक्तियों की सुरक्षित दस्तयाबी, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा अलवर पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आमजन का विश्वास सुदृढ़ करने और संवेदनशील पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे विशेष अभियान निरंतर जारी रहेंगे।इस सराहनीय कार्रवाई में थानाधिकारी संजय शर्मा, एएसआई घनश्याम एवं शशिकांत तिवाड़ी, हेड कांस्टेबल मुरारीलाल एवं मुकेश चंद, कांस्टेबल प्रताप सिंह एवं सुनील, तथा महिला कांस्टेबल कविता एवं कोमल की उल्लेखनीय भूमिका रही।

19 वर्षों तक जेजेएस को नई ऊँचाइयों पर पहुंचाने वाले विमलचंद सुराणा बने संरक्षक (पैट्रन)

जयपुर ज्वेलरी शो को मिला दूरदर्शी नेतृत्व, राजीव जैन सर्वसम्मति से बने चेयरमैन

नई कार्यकारिणी का गठन, उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नई दिशा मिलने की उम्मीद

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी), 20 जुलाई।देश के अग्रणी रत्न एवं आभूषण आयोजनों में शुमार जयपुर ज्वेलरी शो (जेजेएस) ने अपने संगठनात्मक नेतृत्व को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए वरिष्ठ उद्योगपति एवं रत्न-आभूषण क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ राजीव जैन को सर्वसम्मति से नया चेयरमैन निर्वाचित किया है। उद्योग जगत ने इसे जेजेएस के विकास, नवाचार और वैश्विक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।रत्न एवं आभूषण उद्योग में दशकों का अनुभव रखने वाले राजीव जैन जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के पूर्व चेयरमैन, सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन,

म्यूज़ियम ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी, जयपुर के संस्थापक चेयरमैन तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी (IIGJ), जयपुर के पूर्व चेयरमैन सहित कई प्रतिष्ठित पदों पर अपनी प्रभावी भूमिका निभा चुके हैं। उनके अनुभव से जेजेएस को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।राजीव जैन, विमलचंद सुराणा का स्थान लेंगे, जिन्होंने पिछले 19 वर्षों में दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचार और समर्पण के बल पर जयपुर ज्वेलरी शो को देश के सबसे प्रतिष्ठित रत्न एवं आभूषण आयोजनों में स्थापित किया। उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देते हुए आयोजन समिति ने उन्हें सर्वसम्मति से जेजेएस का संरक्षक (पैट्रन) मनोनीत किया है।नई कार्यकारिणी का गठन

आयोजन समिति ने नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की है, जिसमें दिनेश खटोरिया को वाइस चेयरमैन, कमल कोठारी को सचिव, अजय काला एवं अशोक सिंघी को संयुक्त सचिव तथा डॉ. नवल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।समिति के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि राजीव जैन के नेतृत्व में जयपुर ज्वेलरी शो नवाचार, गुणवत्ता, निर्यात संवर्धन और वैश्विक व्यापारिक अवसरों के नए आयाम स्थापित करेगा। साथ ही, समिति एवं उपसमितियों के सक्रिय सहयोग से जेजेएस अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान के रत्न एवं आभूषण उद्योग को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक सशक्त पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

दोबारा बनाएं एसआईटी, किसी आईपीएस को मिले जिम्मा

नयी दिल्ली।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने सरकार को दोबारा एसआईटी बनाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एसआईटी का नए सिरे से गठन हो। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एसआईटी का फिर से गठन किया जाए।कोर्ट ने कहा कि इनमें से कुछ सीनियर विशेषज्ञ आईपीएस अधिकारी को जांच टीम की अगुवाई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे। इसके बाद शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि सरकार से निर्देश लेकर आए। कोर्ट अब अगले सोमवार को सुनवाई करेगी। इस सुनवाई में सरकार से अधिकारी का नाम भी मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिए।कोर्ट ने कहा कि जांच को तार्किक नतीजे तक पहुंचाया जाना चाहिए। कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल मेहता को यूपी सरकार से एसआईटी के लिए नाम लेकर आने को कहा। अदालत 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि चढ़ावा चोरी मामले को राजनीतिक रंग न दें। उन्होंने कहा कि अदालतें राजनीति की जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह अपराध का एक सीधा सा मामला है। अदालत ने कहा कि हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जांच ठीक से हो।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर मत्स्य विभाग की सक्रियता

- निदेशक संचिता बिश्नोई ने लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण,
- ऑनलाइन ऑक्शन, पार्दर्शिता, और हैचरी विकास के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी), 20 जुलाई। मत्स्य विभाग की निदेशक संचिता बिश्नोई ने राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को 90 से 180 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतों का सही श्रेणीकरण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान

उन्होंने कई परिवादियों से सीधे दूरभाष पर संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। एक शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित तालाब के पानी की गुणवत्ता जांच (वॉटर टेस्टिंग) कराने के निर्देश दिए, ताकि जलीय पर्यावरण सुरक्षित रहे और मत्स्य पालकों के हितों की रक्षा हो सके।निदेशक ने तालाबों एवं जलाशयों की ऑनलाइन नीलामी (ऑनलाइन ऑक्शन) से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने तथा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज उत्पादन बढ़ाने के लिए हैचरी विकास एवं सुदृढ़ीकरण को विभाग की प्राथमिकता बताया।संचिता बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान के लगभग 2,500 से 3,000 छोटे-बड़े बांधों एवं जल संरचनाओं में मत्स्य पालन और एक्काकल्चर के माध्यम से स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। वैज्ञानिक प्रबंधन, पारदर्शी नीलामी व्यवस्था और हैचरी विकास से ग्रामीण युवाओं एवं मत्स्य पालकों के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) के माध्यम से आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। विभागीय सचिव स्वयं कंट्रोल रूम पहुंचकर परिवादियों से संवाद कर शिकायतों के निस्तारण की निगरानी कर रहे हैं, जिससे प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।निरीक्षण के दौरान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं आईटी विंग के तकनीकी विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

संशोधित उड़ान योजना के तहत 10 वर्षों में 120 नए हवाई गंतव्य जुड़ेंगे, 4 करोड़ यात्रियों को होगा लाभ

क्षेत्रीय हवाई संपर्क को नई उड़ान, विकास को मिलेगा नया आयाम

चमकता राजस्थान

जयपुर, 20 जुलाई 2026। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सशक्त बनाकर देश के समग्र विकास को नई गति दे रही है। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई 2026 से लागू संशोधित उड़ान (वऊअठ) योजना के तहत अगले 10 वर्षों में 120 नए असेवित एवं अल्पसेवित हवाई गंतव्यों को राष्ट्रीय हवाई नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे लगभग 4 करोड़ यात्रियों को बेहतर एवं सुलभ हवाई सेवाओं का लाभ मिलेगा।राठौड़ ने बताया कि नागर

विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में उनके प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 204 नए क्षेत्रीय संपर्क (फ्ळर) मार्ग शुरू किए गए, जिनमें से 150 मार्ग वर्तमान में संचालित हैं। शेष मार्ग तकनीकी एवं परिचालन कारणों से अस्थायी रूप से बंद हैं, जिन्हें पुनः शुरू करने के लिए

- **मदन राठौड़ बोले: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंतिम छोर तक पहुंच रहा विकास, राजस्थान को भी मिलेगा व्यापक लाभ**

केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत है उन्होंने कहा कि राजस्थान भी इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रमुख लाभार्थी है। हाल ही में जोधपुर हवाई अड्डे पर 23 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित अत्याधुनिक टर्मिनल का उद्घाटन हुआ है, जिसकी वार्षिक क्षमता 20 लाख यात्रियों की है। नया एप्रन एक साथ 11 एयरबस-321 और एक एटीआर-72 विमान के संचालन में सक्षम है, जिससे यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने के साथ पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी नई गति मिलेगी।मदन राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार नए हवाई मार्गों के विस्तार के साथ बंद पड़े मार्गों के पुनर्संचालन पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। इससे दूरस्थ एवं आकांक्षी क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, क्षेत्रीय संतुलित विकास को बल मिलेगा तथा 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल राजस्थान सहित पूरे देश में रोजगार, निवेश और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर सृजित करेगी।

खेजरोली व्यापार संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने दूरभाष पर दी शुभकामनाएं

- व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का जताया विश्वास

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) खेजरोली व्यापार संघ के चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने दूरभाष पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के सफल, जनहितैषी एवं व्यापारी हितों के प्रति समर्पित कार्यकाल की कामना करते हुए संगठन की निरंतर प्रगति का विश्वास व्यक्त किया।बेनीवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता, मंत्री रमेश यादव, संरक्षक जगदीश यादव (निर्विरोध) तथा कोषाध्यक्ष भवानी छीपा (निर्विरोध) को निर्वाचन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापार संघ की मजबूत एवं सक्रिय भूमिका क्षेत्र के व्यापारिक विकास, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा आपसी समन्वय को नई दिशा प्रदान करेगी।उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए व्यापार संघ खेजरोली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे तथा समस्त व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे।पूर्व विधायक ने ईश्वर से सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के उत्तम स्वास्थ्य, सफल कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सशक्त व्यापारिक संगठन ही क्षेत्र की आर्थिक प्रगति और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि व्यापार संघ के नेतृत्व में व्यापारियों के बीच एकता, सहयोग और समन्वय की भावना और अधिक मजबूत होगी।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद है किशमिश का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक किशमिश ही नहीं, किशमिश का पानी भी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आप हर रोज किशमिश का पानी पीते हैं, तो आपके पूरे शरीर पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बचने के लिए भी आप औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को पीना शुरू कर सकते हैं।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किशमिश का पानी आपकी किडनी के फंक्शन को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट का पानी लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी कारगर साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मजबूत बनाए दिल की सेहत

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाना चाहते हैं, तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दीजिए। किशमिश का पानी पीने से आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाकर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा फाइबर रिच किशमिश का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

क्या आप जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाकर अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको किशमिश के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इसके अलावा एनीमिया से बचने के लिए भी किशमिश का पानी पीने की सलाह दी जाती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से किशमिश का पानी पीना बेहद जरूरी है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन किस विटामिन की कमी से होता है?

क्या आपको भी बार-बार फंगल इंफेक्शन की समस्या से जूझना पड़ता है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी पैदा हो गई हो। अगर किसी विटामिन की कमी के कारण आपको फंगल इंफेक्शन हो रहा है, तो आपको जल्द से जल्द इस विटामिन डेफिशिएंसी को दूर करने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। आइए फंगल इंफेक्शन का कारण बनने वाले इस जरूरी पोषक तत्व के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी न केवल आपकी सेहत को बल्कि आपकी त्वचा को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो गई है, तो आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा इस जरूरी पोषक तत्व की कमी कैंडिड संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन सी की कमी

विटामिन डी के अलावा विटामिन सी की कमी भी आपकी त्वचा की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। विटामिन सी की कमी की वजह से आपके इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से आपके फंगल इंफेक्शन को ठीक होने में भी ज्यादा समय लग सकता है।

दूर करें डेफिशिएंसी

विटामिन डी और विटामिन सी की कमी को दूर करने के लिए आपको अपने डाइट प्लान में थोड़े-बहुत बदलाव करने की जरूरत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए गाय का दूध, मशरूम, अंडे की जर्दी का सेवन किया जा सकता है। विटामिन सी रिच संतरा, किवी, ब्रोकली, टमाटर और शिमला मिर्च का सेवन कर आप इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाने-पीने की इन चीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

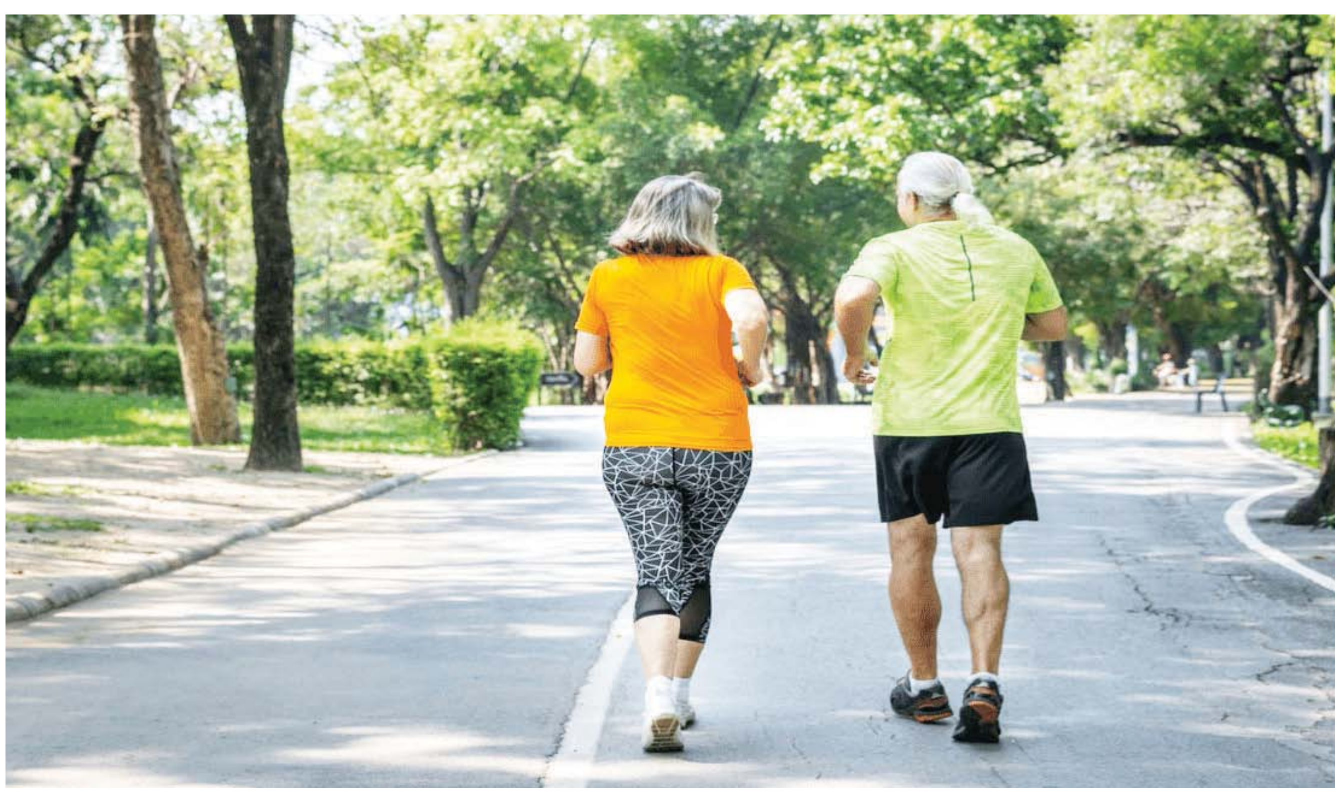

सुबह वॉक करने से पहले इन ज़रूरी बातों का रखें खास ध्यान

सुबह के समय वॉक करने से दिनभर ताजगी का अनुभव होता है। सुबह की वॉक सिर्फ शारीरिक सेहत ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद है। इसलिए अपने आप को फिट और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं सुबह की वॉक से पहले आपको इन कुछ जरूरी बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप सुबह वॉक से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह आपके स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

वॉक से पहले पानी ज़रूर पिएं

जब आप उठते हैं तो आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो रही होती है। आप 6-8 घंटे तक एक घूंट भी पानी पिए बिना रह चुके होते हैं। इसलिए, बिना पानी पिए टहलने के लिए निकलना खतरनाक हो सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही तरल पदार्थ की कमी है, तो पसीने की कमी से तेजी से डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द और थकान हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही एक या दो गिलास पानी पिएं।

खाली पेट वॉक करने न जाएं

कई लोगों को लगता है कि खाली पेट वॉक करने से वजन तेजी से कम होगा। जबकि ऐसा नहीं है, अगर आप भूखे पेट वॉक करने जाते हैं तो चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। कम रक्त शर्करा के कारण कमजोरी, मतली या टहलने के दौरान बेहोशी भी महसूस हो सकती है। ऐसे में वॉक से पहले पूरा नाश्ता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन कुछ हल्का फुल्का खाना ठीक रहेगा। जैसे एक केला, मुट्ठी भर भीगे हुए बादाम, टोस्ट का आधा टुकड़ा या एक छोटी सी फ्रूट स्मूदी।

वार्म-अप ज़रूर करें

वॉक से पहले एक छोटा सा स्टेच रूटीन आपके हेल्दी और फिट शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। इसलिए, भले ही आप सुबह के समय सिर्फ 30 मिनट ही वॉक क्यों न चल रहे हों। कम से कम 3-5 मिनट का वार्म-अप जरूर करें। वार्म अप में आप एड़ियों को घुमाएँ, हल्के से पैर के अंगूठे को छूएँ, कंधे को हिलाएँ और गर्दन को घुमाएँ।

वॉक से पहले कैफीन का इस्तेमाल ज्यादा न करें

वॉक से पहले कई लोग एक गर्म कप चाय या कॉफ़ी पीना पसंद करते हैं। लेकिन वॉक से पहले कैफीन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों के लिए, खाली पेट कैफीन वॉक के दौरान एसिडिटी या पेट खराब होने का कारण बन सकता है। अगर, आप ऐसे व्यक्ति हैं जो चाय या कॉफ़ी के बिना काम नहीं कर सकते, तो वॉक के बाद इसे पीने की कोशिश करें। इस तरह, पाचन क्रिया सक्रिय रहेगी, आप फिर से हाइड्रेट होंगे।

शरीर को कमजोर बना सकती है प्रोटीन की कमी

अगर आपके शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी पैदा हो जाए, तो सेहत से जुड़ी कई समस्याएं आपके शरीर पर हमला बोल सकती हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की सलाह देते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए एक जरूरी तत्व है। आइए इस तत्व की कमी की वजह से शरीर में दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं।

थकान और कमजोरी

प्रोटीन की वजह से आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। अगर आपको हर समय थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मसल पेन भी इसी पोषक तत्व की कमी का संकेत साबित हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

प्रोटीन की कमी की वजह से आपको ज्यादा भूख लग सकती है या फिर खाने के बाद भी पेट खाली लग सकता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई है, तो आपके घाव भी धीरे-धीरे भर पाएंगे। प्रोटीन की कमी की वजह से आपको सडन वेट लॉस का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई है और आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो ये लक्षण भी प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाली बात - प्रोटीन की कमी न केवल आपके शरीर पर बल्कि आपकी त्वचा और आपके बालों पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है। क्या आपकी त्वचा रूखी, फटी या फिर खुरदुरी हो गई है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। बाल झड़ना या फिर नाखून टूट जाना भी इस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है।

हाई यूरिक एसिड से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट कर लीजिए इन चीजों का सेवन

जोड़ों के दर्द से मिल जाएगी राहत

क्या आप जानते हैं कि जब आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो आपको जोड़ों में असहनीय दर्द और सूजन हो सकती है? यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप खाली पेट सही मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर कुछ चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

फायदेमंद साबित होगा आंवला

दादी-नानी के जमाने से आंवला को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। यूरिक एसिड के स्तर पर काबू पाने के लिए आप आंवला को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। हर रोज सुबह खाली पेट एक आंवला खाएं या फिर गुनगुने पानी के साथ आंवला पाउडर को मिक्स कर कंज्यूम कर लें।

पी सकते हैं नींबू का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नींबू पानी का सेवन भी कर सकते हैं। विटामिन सी रिच नींबू पानी यूरिक एसिड को न्यूट्रल करने में कारगर साबित हो सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी में हाफ नींबू निचोड़कर पी जाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस करें। अगर आप चाहें तो औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक में पोषक तत्वों वाले शहद को भी मिक्स कर सकते हैं।

अलसी के बीज फायदेमंद

क्या आप जानते हैं कि अलसी के बीज में पाए जाने वाले तत्व यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं? एक स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पानी के साथ कंज्यूम कर लें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट अलसी के बीज खाएं।

संक्षिप्त समाचार

रायसिंहनगर में नशे के खिलाफ युवाओं की आवाज बुलंद, पुलिस को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार और युवाओं में फैल रही नशे की लत के विरोध में आज युवाओं एवं रत्र्क्क कार्यकर्ताओं ने रायसिंहनगर पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।
रत्र्क्कतहसील अध्यक्ष गौरव भाखर ने मांग की कि क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा गांवों और शहर में नशे की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। युवाओं ने कहा कि नशे के कारण कई परिवार उजड़ चुके हैं और कई घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए हैं।
महासचिव सौरभ इन्दलिया ने कहा कि आजकल क्षेत्र में मेडिकल नशे और चिट्टे का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण आए दिन कोई न कोई दुर्घटना, झगड़ा या अन्य अप्रिय घटना सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो युवा पीढ़ी का भविष्य गंभीर संकट में पड़ सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने तथा युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग की।
थाना प्रभारी ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि नशा तस्करों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।
इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष गौरव भाखर, महासचिव सौरभ इन्दलिया, देवकरण बाना, साहिल स्वामी, यशराज राजपूत, अंशित भाखर, बिंदु मेहरा, देव मेहरा, पुष्पांक राजपूत, करण, विश्वास रिणवा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।
युवाओं ने आमजन से भी नशे के खिलाफ आगे आने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

रक्तदान शिविर में 113 रक्तवीरो ने किया रक्तदान

चमकता राजस्थान/ब्यावर। नारी जन जागृति संस्थान के 8वें स्थापना दिवस के उपलक्षय में रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन एवं नारी जन जागृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ढ़ोसला से आरती दीदी के सानिध्य में सिटी डिस्पेंसरी, ब्यावर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि आरती बाईं सा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।
संस्थान की अध्यक्ष ममता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में आरती बाईं सा एवं उनके शिष्यों के साथ निवर्तमान सभापति नरेश कनोजिया, हेमंत कुमावत, ब्रिजेश साहू (अध्यक्ष, ब्यावर यूथ संगठन), नरेंद्र आर्य, अजय गुप्ता, शैलेंद्र कुमावत, संजय मुंदड़ा, एडवोकेट रवि टांक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर रक्तवीरों का उत्साहवर्धन किया।
रक्तदान शिविर में युवाओं एवं नारी शक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान ₹रक्तदान महादान₹, ₹भारत माता की जय₹ एवं ₹वंदे मातरम्₹ के जयघोष से वातावरण देशभक्ति और सेवा भावना से ओत-प्रोत रहा। शिविर के समापन तक 113 रक्तवीरों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।
रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन के जैकी साहू ने बताया कि सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर में रतन गुर्जर, गोलू पहलवान, मुकेश माली, संदीप रावत, नरेंद्र कतिरीया, सुरेश भाई सहित उनकी टीम ने भी रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।
इस अवसर पर कुछ दिनों पूर्व जयपुर जाकर जरूरतमंद के लिए रक्तदान करने वाले योगेश मेहरा का माला एवं साफा पहनाकर विशेष सम्मान किया गया।

दो घंटे तक थाने के बाहर लगाया जाम,एसपी के आश्वासन पर माने ग्रामीण, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

डग में विवाहिता की मौत के बाद बवाल, पीहर पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

चमकता राजस्थान

डग-20जुलाई(कुन्दन व्यास) । झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की मौत के बाद तनाव का माहौल बन गया।तिसाई गांव निवासी तारा कुंवर की इंदौर में इलाज के दौरान मौत हो जाने के बाद पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है।

● कुएं में घायल मिली थी विवाहिता

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई को तारा कुंवर तिसाई गांव में कुएं के पास घायल अवस्था में मिली थी। परिजन उसे तुरंत डग अस्पताल लेकर गए,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। इंदौर में उपचार के दौरान तारा ने दम तोड़ दिया।मृतका मूल रूप से मध्यप्रदेश के फतेहगढ़ की रहने वाली थी।तारा का शव जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद डग थाना लाया गया,बड़ी संख्या में ग्रामीण और पीहर पक्ष के लोग थाने के बाहर जमा हो गए।आक्रोशित भीड़ ने करीब दो घंटे तक थाने के सामने चक्काजाम कर दिया और₹बेटी को न्याय दो₹व ₹पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद₹के नारे लगाए।मृतका के चाचा मदन सिंह ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पति जसवंत सिंह,सास और ससुर रणजीत सिंह दहेज के लिए तारा को लगातार परेशान कर रहे थे इसी प्रताड़ना के कारण उसकी मौत हुई है।उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

खीमावत ट्रस्ट की 29वीं वाटिका का उद्घाटन, 130 बीघा में लगेंगे 27 हजार पौधे

चमकता राजस्थान

भरत कुमार गांधी रानी। श्री राज राजेन्द्र बसन्ती देवी किशोरमल खीमावत चेरीटेबल ट्रस्ट रानी-मुंबई द्वारा भगवानपुरा, इटंदरा चारणान में 29वीं खीमावत वाटिका विकसित की जा रही है। इसमें 130 बीघा जमीन पर 27 हजार पौधे लगाए जाएंगे और ट्रस्ट द्वारा उनका संरक्षण किया जाएगा।

● ट्रस्टियों ने रखी बात

ट्रस्टी आर्यन खीमावत ने कहा कि मेरे दादाजी स्वर्गीय किशोरमल खीमावत ने वर्षों पूर्व पर्यावरण संरक्षण की जो मुहिम चलाई थी, वह अब वट वृक्ष के रूप में विकसित हो रही है। मेरे पिताजी राहुल खीमावत इसे आगे बढ़ाते हुए 100 वाटिकाओं के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।
उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना बड़ी बात नहीं है, उन्हें बड़ा होने तक संरक्षित करना जरूरी है। जब ये पेड़ बड़े होंगे तो आमजन व पशुओं को छाया देंगे और पक्षियों को घर व आहार मिलेगा। उन्होंने आमजन से वाटिकाओं की देखरेख में सहयोग की अपील की।

● अधिकारियों ने की सराहना

एसपी मोनिका सेन ने कहा कि पौधों के परिणाम तुरंत नहीं मिलेंगे, लेकिन संरक्षण से दूरगामी परिणाम मिलेंगे। पेड़ों से जलवायु परिवर्तन में सहयोग, गर्मी में राहत, ऑक्सीजन लेवल में बढ़ोतरी और बारिश में मदद मिलेगी। इतने बड़े स्तर पर हरियाली बढ़ाने के लिए ट्रस्ट धन्यवाद का पात्र है।
एसडीएम शिवा जोशी ने कहा कि ट्रस्ट के कार्य आमजन हित में समर्पित हैं। ट्रस्ट हमेशा प्रशासन के सहयोग के लिए तत्पर रहता है और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाता है।

● वाटिका की विशेषता

ट्रस्ट मैनेजर रंजीत ढालावत व निवर्तमान पार्षद सुनील बैरवा ने बताया कि इस वाटिका में 50% नीम और 50% फलदार पौधे लगाए जाएंगे, ताकि पशु-पक्षियों को एक ही स्थान पर छाया और आहार मिल सके।

शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के प्रयासों से पदमगढ़ में नया ट्यूबवेल, ग्रामीणों ने विधायक राठौड़ का जताया आभार

चमकता राजस्थान/ शेरगढ़ । रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ शेरगढ़ उपखंड की ग्राम पंचायत पदमगढ़ मोड़राम व मूलाराम की ढाणियों में पेयजल समस्या के समाधान के लिए नया ट्यूबवेल खुदवाए जाने पर ग्रामीणों ने शेरगढ़ के लोकप्रिय विधायक बाबूसिंह राठौड़ का हार्दिक आभार व्यक्त किया। शेरगढ़ भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष गुलाब सिंह राठौड़ ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। विधायक बाबूसिंह राठौड़ के प्रयासों से नया ट्यूबवेल स्वीकृत होकर खुदवाया गया, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित में किया गया यह कार्य अत्यंत सराहनीय है और क्षेत्र के विकास तथा आमजन के प्रति विधायक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
समस्त ग्रामवासियों ने विधायक बाबूसिंह राठौड़ को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस दौरान गुलाब सिंह राठौड़ पूर्व मंडल अध्यक्ष शेरगढ़ ,गुमान सिंह, नरपत सिंह, स्वरूप सिंह, मदन सिंह, जसवंत सिंह,शौभाग सिंह ,उगम सिंह, रिशपाल सिंह, उम्मेद सिंह आदि मौजूद थे।

भूपेश डोडा ने संभाला सेमारी तहसीलदार का कार्यभार

चमकता राजस्थान/सेमारी। सेमारी गनोड़ा बांसवाड़ा से स्थानांतरित होकर आए भूपेश डोडा ने सेमारी तहसीलदार का आज कार्यभार संभाल लिया इस अवसर पर स्थानीय आमजन के साथ ही व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार जैन शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अंबालाल खटीक करण सिंह राणावत परसाद जवान सिंह मीणा ओके देवीलाल सेवक मुकेश हरमोर राकेश मीणा कार्यालय प्रमुख महेन्द्र पटेल नरेश देसाई सहित उपस्थित सभी लोगों ने डोडा का मेवाड़ी पगड़ी उपरणा व माला पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया वहीं पद्दोन्नत होने के बाद डूंगरलाल प्रजापत को भी मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर तथा श्रीफल भेंट कर तहसील कार्यालय नयागांव तहसीलदार हेतु विदा किए कार्यभार संभालने के पश्चात तहसीलदार डोडा ने सभी स्टाफ की आवशयक बैठक रखकर सभी जानकारी ली तथा अपने अधीनस्थ सभी स्टाफ को अपने -अपने कार्य को तत्परता के साथ निर्धारित समय पर संपादित करने हेतु निर्देश दिए आने वाले समय में संभावित पंचायती राज के चुनावों ओबीसी जनगणनातथा राजस्व से सम्बंधित विषयों पर विशेष चर्चा की डोडा ने सरकार की मंशानुरूप सभी योजनाओं को आमजन तक निर्बाध रूप से पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अरमान की सफलता के साथ लाड़लाका में विकास कार्यों की दिखी नई तस्वीर

चमकता राजस्थान

राकिब खांन/डीग। कामां विधानसभा क्षेत्र के गांव लाडलाका निवासी अरमान ने नीट परिक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया, कल हमारी टीम लाड़लाका गांव पहुंची, जहां ठएएळ परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले छात्र अरमान और उनके परिजनों से विशेष बातचीत की गई। अरमान ने अपनी मेहनत, लगन और सफलता का अनुभव साझा किया, जबकि परिवार ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण बताया। इंटरव्यू के बाद हमारी टीम गांव के विभिन्न हिस्सों में पहुंची और ग्रामीणों से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं तथा विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। इस दौरान गांव की एक दुकान पर मौजूद कई ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों पर खुलकर अपनी राय रखी।
ग्रामीणों का कहना था कि सरपंच हबीब खान के कार्यकाल में गांव में कई विकास कार्य हुए हैं। विशेष रूप से कच्ची गलियों को पक्का कराया गया है, रास्तों की स्थिति में सुधार हुआ है और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर भी काम किया गया है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में गांव में और अधिक विकास कार्य होंगे। बातचीत के दौरान कुछ ग्रामीणों ने यह भी कहा कि क्षेत्र की विधायक नौक्षम चौधरी के सहयोग से ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को गति मिली है और गांव लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इसी तरह विकास कार्य जारी रहे तो लाड़लाका आने वाले समय में क्षेत्र के विकसित गांवों में शामिल हो सकता है।

गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति भारत शाखा नागौर की विशेष बैठक सत्यनारायण भंडारी की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय कार्यकारी

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर अध्यक्ष श्यामसुंदर मंत्री के सानिध्य में आयोजित हुई । राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्यामसुन्दर मंत्री ने संस्था के बारे में बताया कि यह संस्था ब्रह्मलीन संत स्वामी रामसुखदास महाराज
की प्रेरणा से स्थापित संस्था है जो भ्रूणहत्या रोकथाम एवं संस्कार निर्माण के कार्य, सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए कार्य करती है । उन्होंने बताया कि जोधपुर में आयोजित रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर लिए गए निर्णय बेटी को समय पर ब्याहो और बहू को आगे पढ़ाओ मीशन को पूर्णता प्रदान करने के लिए मातृशक्ति को साथ लेकर सम्मेलन करने की और जनजागरण करने की आवशयकता है ।
इस अवसर पर कार्यकारिणी की मिटींग का आयोजन किया गया जिसमें सचिव कैलाश शारदा ने बताया कि संस्था के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्याम सुन्दर मंत्री, नागौर शाखा के संरक्षक शिवशंकर व्यास, अध्यक्ष सत्यनारायण भंडारी, कार्यकारिणी सदस्य रामानुज मालानी, दिलीप भोजक, मनोज कचोलिया, विनोद डागा, कैलाश अग्रवाल, संजय गोयल, राजेश रावल उपस्थित रहे । इस अवसर पर स्वामीजी के महामंत्र ''हे मैरे नाथ में आपको भूलूँ नहीं'' की एलईडी भी अध्यक्ष को भेंट की । अध्यक्ष सचिव ने सभी उपस्थित साधकों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं सभी का आभार प्रकट किया । इस अवसर पर गहन विचार विमर्श एवं परिचर्चा कर दो माह में एक स्कुल में मातृ - पितृ चरण वंदन कार्यक्रम, 2 स्कूलों में गीता ज्ञान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, बेटी को समय पर ब्याहो बहु को आगे पढ़ाओ विषय पर मातृशक्ति सम्मेलन, संयुक्त परिवार, खुशहाल परिवार कार्यक्रम, भ्रूण हत्या रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली, संस्कार निर्माण एवं परम्परागत परम्पराओं की जानकारी एवं विभिन्न प्रकार के परिपत्र वितरण आदि कार्यक्रम करने का निर्णय किया गया । श्याम सुन्दर मंत्री ने पहली मिटींग में इस प्रकार के आयोजन हाथ में लेने की सराहना की एवं अन्य शाखाओं के लिए प्रेरणास्पद बताया । सभी साधकों का आभार जताया ।

विश्व हिंदू परिषद में नई दायित्व घोषणा

● सुभद्र पापडीवाल बने विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष

चमकता राजस्थान/जयपुर। विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक 19 एवं 20 जुलाई, 2026 को तेरापंथ भवन, छतरपुर (नई दिल्ली) में संपन्न हुई। बैठक में देशभर से केंद्रीय पदाधिकारियों एवं प्रबंध समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर संगठन के विभिन्न दायित्वों की घोषणा की गई।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री आनंद जी को विश्व हिंदू परिषद के जयपुर क्षेत्र (राजस्थान) का क्षेत्रीय संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। श्री आनंद जी इससे पूर्व पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। संगठनात्मक जीवन में अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करने के उपरांत अब वे जयपुर क्षेत्र में संगठनात्मक कार्यों का नेतृत्व करेंगे।
इसी क्रम में श्री सुभद्र पापड़ीवाल को विश्व हिंदू परिषद के जयपुर प्रांत का प्रांत अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री पापड़ीवाल पूर्व में जयपुर प्रांत के प्रांत उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहे हैं। वे उद्यमी पृष्ठभूमि से जुड़े हैं तथा विभिन्न औद्योगिक संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं यूकोरी के संस्थापक संरक्षक भी हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929